www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 190 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
02 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
मौसम
सूर्योदयः 05:58
सूर्यास्तः 05:53
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 24°00



पेज 07

विशेष समाचार
राजनीतिक व्यवहार का ... » पेज 04
आगरा नगर निगम में किन्नर... » पेज 06
अमिताभ बच्चन 'कौन बनेगा ...



योगी ने एसीएस की कार्यशैली पर जताई नाराजगी, बिना तैयारी कॉल करने का बताया मामल

बिना होमवर्क पूर्व डीजीपी को कॉल किया : योगी

आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन करने वाले 26 पुलिसकर्मियों को वीरता पदक से सम्मानित किया। इनमें 10 पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को मुख्यमंत्री वीरता पदक और 16 को वीरता सम्मान दिया गया। इस दौरान शहीद इंस्पेक्टर सुनील कुमार की पत्नी मुनेश देवी को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह की पुस्तक 'संघर्ष' का विमोचन भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने इसी कार्यक्रम में पुलिस को अत्याधुनिक तकनीक से लैस 87 इंटरसेप्टर वाहन भी सौंपे और उन्हें हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों का इस्तेमाल सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रभावी पालन की निगरानी में किया जाएगा।

>> (शेष पेज 06 पर)



66 सीएम योगी ने कहा- बंद कमरे में बैठकर किसी पर टिप्पणी करना आसान है। लेकिन वहां चिंतन तभी संभव है, जब बाहर सुरक्षा हो। कोई व्यक्ति कितना भी बड़ा क्यों न हो और उसे अपने पद का कितना भी गुरूर हो, सुरक्षा हटा दी जाए तो अराजकता के माहौल में उसे भीगी बिल्ली बनने में देर नहीं लगेगी।

सीएम ने संजय प्रसाद की चुटकी क्यों ली?

सीएम ने बताया- एक दिन रात 10 बजे मैंने अचानक एडिशनल चीफ सेक्रेटरी होम से कहा- पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह की पुस्तक का विमोचन होना है।

कार्यक्रम के बारे में थोड़ा बताओ। उन्होंने पूर्व डीजीपी को फोन मिला दिया। इस पर मैंने कहा कि भाई, 90 साल के आदमी को रात 10 बजे क्यों फोन कर रहे हो? अक्सर 90 साल की उम्र का व्यक्ति रात 8 बजे तक आराम करने चला जाता है।

14 लाख से अधिक कैमरों से निगरानी

पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली की मांग लंबे समय से लंबित थी। आज प्रदेश में 7 पुलिस कमिश्नरेट काम कर रहे हैं। सुरक्षित शहर की दिशा में 14 लाख से अधिक कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे घटनाओं के खुलासे के साथ उनकी रोकथाम में भी मदद कर रहे हैं।



पूर्व डीजीपी बोले- माफिया पर पुलिस का दबाव बढ़ाया था

पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह ने कहा- रिटायरमेंट के कई साल बाद मैंने अपने अनुभवों को किताब में लिखने का फैसला किया। मैंने नागालैंड, असम, पंजाब और उत्तर प्रदेश में अपनी नौकरी के दौरान आई चुनौतियों का जिक्र किया है। यूपी में मेरे कार्यकाल के दौरान माफिया पर पुलिस का दबाव बढ़ाया गया था। इंस्पेक्टर सुनील कुमार मेरठ के मसूरी गांव के रहने वाले थे। सुनील 20 जनवरी, 2025 को शामली के झिंझाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में शहीद हो गए थे। उन्होंने 4 अपराधियों को मार गिराया था। मुठभेड़ में इंस्पेक्टर के पेट में 2 गोलियां लगी थीं। सुनील कुमार को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल ले जाया गया। 36 घंटे तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने अंतिम सांस ली थी।

एसआईआर में गड़बड़ी पर कर्नाटक सीएम धरने पर बैठे

बेंगलुरु। कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार गुरुवार को राज्य चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर धरने पर बैठ गए। उन्होंने SIR में गड़बड़ियों का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि फॉर्म 7 के दुरुपयोग में शामिल लोगों के खिलाफ जब तक रिपोर्ट दर्ज नहीं होगी, तब तक वे वहां से नहीं हटेंगे। उनका कहना है कि SIR में गड़बड़ियों के खिलाफ FIR दर्ज की जाए। इससे पहले उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि 45 लाख से ज्यादा वोटरों के नामों में गड़बड़ियां सामने आई हैं। इसमें भाजपा के लोग शामिल हैं। राज्य सरकारें या उनकी पुलिस चुनाव आयुक्तों पर उनके सरकारी काम को लेकर सीधे केस दर्ज नहीं कर सकती हैं। कर्नाटक में SIR जून से 8 अगस्त 2026 तक हुआ। इससे पहले राज्य में 5.54 करोड़ मतदाता थे।

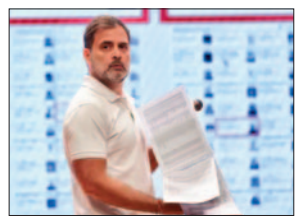
फॉर्म-6 में अवैध तरीके से बदलाव हुआ : राहुल

चुनाव आयोग से सवाल- टीसीएस को आदेश किसने दिया

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने नए वोटरों के रजिस्ट्रेशन के लिए इस्तेमाल होने वाले ऑनलाइन फॉर्म-6 में बदलाव को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि फॉर्म-6 में अवैध तरीके से बदलाव किया गया। राहुल ने पूछा कि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) को बदलाव करने का आदेश किसने दिया और कंपनी में इसे किसने मंजूरी दी। उन्होंने सवाल किया कि क्या TCS पर कोई दबाव था। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों में फॉर्म-6 में अतिरिक्त जानकारी जोड़ने और SIR से जुड़े फैसलों पर 14 बार आपत्ति जताई। उनका कहना था कि नियम बदले बिना फॉर्म में नया हिस्सा जोड़ा गया। हालांकि, चुनाव आयोग ने बुधवार को SIR पूरा हो चुके राज्यों में फॉर्म-6 में से अतिरिक्त घोषणा-पत्र हटा दिया था। अब SIR में नाम कटने के बाद दोबारा नाम जुड़वाने के लिए 2003 की वोटर लिस्ट की जानकारी नहीं देनी होगी।



टीएमसी के बैंक अकाउंट्स फ्रीज रहेंगे : सुप्रीम कोर्ट

कलकत्ता हाईकोर्ट जल्द सुनवाई करे, विधानसभा चुनाव के बाद दो गुटों में बट गई थी पार्टी

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस को उन चार बैंक अकाउंट्स को ऑपरेट करने की इजाजत देने से इनकार कर दिया, जिन्हें पश्चिम बंगाल पुलिस ने साइबर क्राइम की शिकायत के सिलसिले में फ्रीज कर दिया था। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने कहा- चुनाव आयोग ने TMC का चुनाव चिह्न फ्रीज कर दिया है। खातों में मौजूद फंड का असली हकदार कौन है, इस मामले पर कलकत्ता हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। इसलिए हम इस मामले की सुनवाई नहीं करेंगे। 4 मई को पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजे आए थे। टीएमसी 15 साल बाद राज्य की सत्ता से बाहर हो गई थी। पार्टी को 294 में से सिर्फ 77 सीटों पर जीत मिली थी।

>> (शेष पेज 06 पर)



कोर्ट ने कहा कि खातों को किस गुट को दिया जाना है, इस पर पहले चुनाव आयोग को फैसला करना चाहिए। टीएमसी में एक गुट ममता बनर्जी के नेतृत्व वाला है, जबकि दूसरा पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाला है। बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर क्राइम थाने की जांच रिपोर्ट भी कोर्ट के सामने रखी गई। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी गुट ने 7 जुलाई को पुलिस साइबर सेल की ओर से चार बैंक खाते फ्रीज किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट का रुख किया था।

असली तृणमूल पर फैसले का इंतजार करें: सरकार

राज्य सरकार की ओर से पेश हुए मेहता ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि दो गुट खुद को असली तृणमूल बता रहे हैं और सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को यह तय करने को कहा है कि असली पार्टी कौन सी है। उन्होंने कहा- दूसरा गुट भी कह रहा है कि हमें खाता चलाने की अनुमति दी जाए। इसलिए उन्हें असली तृणमूल पर फैसले का इंतजार करना चाहिए। पिछली सरकार के समय, वह सरकारी जमीनों को निजी जमीनों में कन्वर्ट कर बेचता था।



फास्ट न्यूज

राहुल बालाघाट में मृत आदिवासी बच्चों के परिवारों से मिले

बालाघाट। राहुल गांधी ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के बालाघाट के जगला गांव में बैगा आदिवासियों से मुलाकात की। वे यहां बीमारी से जान गंवाने वाले बच्चों के परिवारों से मिलने पहुंचे थे। एक घंटे की मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि आदिवासी देश के पहले मालिक हैं।

अधीर रंजन का ममता को कांग्रेस में लौटने का न्योता

मुर्शिदाबाद। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने गुरुवार को ममता बनर्जी को दोबारा कांग्रेस में शामिल होने का न्योता दिया। मुर्शिदाबाद में उन्होंने ममता से कहा कि उन्हें बचे हुए TMC विधायकों और सांसदों के साथ कांग्रेस में शामिल हो जाना चाहिए। चौधरी ने कहा कि कांग्रेस, बंगाल में ममता बनर्जी का नेतृत्व स्वीकार करने और उनके साथ काम करने को तैयार है। अधीर रंजन ने ममता बनर्जी से 6 अक्टूबर के नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव जैसी पहल करते हुए रेजीनगर में भी कांग्रेस उम्मीदवार को समर्थन देने को कहा।

ईडी का आरोप-यासीन मलिक समेत 7 को पाकिस्तान से फंडिंग

नई दिल्ली। नई दिल्ली की स्पेशल NIA कोर्ट ने यासीन मलिक समेत 7 आरोपियों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया है।

कोर्ट ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत है, जिससे उन पर मजबूत संदेह होता है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) का आरोप है।

पिकनिक मनाने गए 8 छात्रों की समुद्र में डूबने से मौत

पुणे की कोचिंग से आए थे, सभी के शव मिले

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

पुणे। महाराष्ट्र के दिवेआगर बीच पर गुरुवार को पिकनिक मनाने आए 8 छात्रों की डूबने से मौत हो गई। सभी छात्रों के शव बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, छात्र पिकनिक के लिए पुणे से आए थे।

ये सभी समंदर के पानी में उतरे, गहराई का अंदाजा न होने के कारण डूब गए। पुलिस ने सभी 8 छात्रों के शव बरामद किए हैं।





पुलिस ने बच्चों को पानी से बाहर निकालने के बाद सीपीआर देकर जान बचाने की कोशिश भी की।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुणे के आलंदी इलाके से 48 लोगों का एक ग्रुप दिवेआगर घूमने आए थे। पुलिस ने बताया कि 11वीं और 12वीं के छात्र 'विनर्स एकेडमी' के थे। वे मुंबई से लगभग 170km दूर रायगढ़ के दिवेआगर बीच आए थे। ग्रुप में 25 लड़के, 17 लड़कियां और 6 टीचर शामिल थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

हमारे लिए बस कंडक्टर-प्रिंसिपल सेक्रेटरी दोनों बराबर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इलाहाबाद के पूर्व जिला जज की जल्द सुनवाई की मांग खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि पद के आधार पर किसी को प्राथमिकता नहीं मिल सकती। संविधान हर व्यक्ति को समान रूप से न्याय तक पहुंच का अधिकार देता है। याचिका पूर्व जज राकेश कुमार नैन ने लगाई थी। जिसमें इलाहाबाद हाईकोर्ट में पेंडिंग रिट याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की गई थी। जस्टिस नैन को सेवा से बर्खास्त कर दियाग गया है। हालांकि सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने उन्हें हाईकोर्ट में ही जल्दी सुनवाई की मांग रखने की छूट दी। राकेश कुमार नैन अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाले स्पेशल जज थे।



ऐलान : अखिलेश यादव का ऐलान, पीएम बनने के सवाल पर कहा- आपस में झगड़ा मत कराओ

'सरकार बनने पर लोकतंत्र सेनानियों को 51 हजार पेंशन देंगे'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लोकतंत्र रक्षक सेनानियों को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर लोकतंत्र सेनानियों की सम्मान राशि बढ़ाकर 51 हजार रुपये प्रतिमाह की जाएगी। इसके साथ ही उन्हें मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। अखिलेश ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों को स्वतंत्रता सेनानियों की तरह ही अन्य सुविधाएं भी देने का काम किया जाएगा। अखिलेश यादव गुरुवार को लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने लोकतंत्र रक्षक सेनानियों के संघर्ष को याद करते हुए कहा कि इन लोगों ने देश में 1975 से 1977 के बीच लागू आपातकाल के दौरान संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया था। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले ऐसे लोगों के सम्मान और सुविधाओं में बढ़ोतरी की जानी चाहिए। अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इस समय पूरे देश में सामाजिक न्याय की स्थिति भी आपातकाल जैसे दौर से गुजर रही है।

>> (शेष पेज 06 पर)



अखिलेश ने कहा- यूपी पुलिस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। पुलिस बीजेपी का कार्यकर्ता बनकर काम कर रही है। इस सरकार में सच्चे साधु बहुत अपमानित हुए, न्याय नहीं मिला। डिप्टी सीएम युवाओं को नौकरी की बजाय ई-रिक्शा चलाने की सलाह दे रहे। ब्रजेश पाठक पर तंज कसते हुए अखिलेश ने कहा- उन्हें खुद ई-रिक्शा बुक कर लेना चाहिए। ये वो डिप्टी सीएम हैं, जिन्होंने अस्पतालों को ही बीमार कर दिया।

शाहजहांपुर में 2 साधुओं की हत्या, लाश जलाई

शिव मंदिर में लकड़ी की चिता बनाकर आग लगाई, धुआं उठा तो पता चला

तमसा संकेत, एजेंसी

शाहजहांपुर। यूपी के शाहजहांपुर में शिव मंदिर में दो साधुओं की हत्या कर दी गई। इसके बाद मंदिर में ही लकड़ी की चिता बनाकर शवों को जला दिया गया। गुरुवार सुबह 7 बजे गांव वाले मंदिर से धुआं उठता देखकर पहुंचे। एक साधु का शव जल रहा था। दूसरा शव जलकर कंकाल बन चुका था। दोनों शव एक-दूसरे से 10 मीटर दूर पड़े थे। घटना जिला मुख्यालय से 70 किलोमीटर दूर खुदागंज की है। साधुओं की पहचान बाबा गोपाल दास और बाबा बिहारी दास के रूप में हुई है। दोनों खुदागंज के सूथा गांव स्थित मंदिर में रहते थे। गांव वालों ने बाबा बिहारी दास के भतीजे सुमित सिंह पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि वह साधुओं को भगाकर मंदिर की जमीन पर कब्जा करना चाहता था। दोनों



साधु इसका विरोध कर रहे थे। वहीं, प्रदीप ने बिहारी दास के दूसरे भतीजे सुमित पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने सुमित को हिरासत में लिया है। गोपाल दास के तीन भाई हैं। बड़े भाई रामदुलारे, रामकिशोर औद रामनिवास मंदिर से 15 किमी दूर अजीजगंज मोहल्ले में रहते हैं। रामदुलारे ने बताया कि गोपाल दास की पत्नी विज्जावति की 25 साल पहले मौत हो गई थी। बेटी सरस्वती की शादी हो चुकी है। पत्नी की मौत के बाद वह घर से चले गए और मंदिर की देखरेख करने लगे। एक सप्ताह पहले घर आए थे।

प्रदीप बोला- सुमित ने पहले भी कई बार हमला किया

बाबा बिहारी दास के भतीजे प्रदीप सिंह ने बताया- पास में ही रहने वाले सुमित ने हत्या की है।

उसने कई बार इन पर हमला किया था। सुमित एक महीने पहले जेल से छूटकर आया था। उसने कुछ समय पहले ही गांव के एक व्यक्ति की कार जला दी थी। अभी जमानत पर है।

मंदिर के संरक्षक शिव कुमार सिंह ने मामले में शिकायत दी है।

एसपी ग्रामीण दीक्षा भवरे ने बताया- पीआरवी को सूचना मिली थी कि दो साधुओं को जला दिया गया।

खुदागंज पुलिस ने मौके पर देखा तो शव बुरी तरह जले पाए गए।



गांव के लोगों ने बताया- कथावाचक गोपाल दास करीब 20 साल से मंदिर में रह रहे थे। बिहारी दास (60) हमारे ही गांव के रहने वाले थे। बिहारी दास पहले सूथा गांव के ही ठाकुर जी मंदिर में रहते थे। एक महीने पहले वह गोपाल दास के शिष्य बने। इसके बाद दोनों शिव मंदिर में रहने लगे।



मंदिर में सफाई करने वाला बोला- मंदिर पहुंचा तो शव जलते मिले

मंदिर में साफ-सफाई करने वाले द्रगपाल ने बताया- सुबह 7 बजे मंदिर पहुंचा तो शव जलते मिले। रात में उनसे मुलाकात नहीं हुई थी। बुधवार दोपहर 3 बजे उनसे आखिरी बार मिला था। इसके बाद मैं घर चला आया था।

बाराबंकी जिला अस्पताल में 4 साल से अल्ट्रासाउंड बंद

रेडियोलॉजिस्ट का पद खाली, रोज 200-250 मरीज परेशान

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जिला अस्पताल में चार साल से अल्ट्रासाउंड सुविधा बंद है। रेडियोलॉजिस्ट का पद खाली है, गुरुवार दोपहर 1:30 बजे जिससे रोजाना 200-250 मरीजों को निजी केंद्रों पर 500-700 रुपये खर्च कर जांच करानी पड़ रही है। यह पद चार साल पहले तत्कालीन सीएमएस डॉ. एसके सिंह के तबादले के बाद खाली हुआ। पहले प्रशिक्षु डॉक्टरों से काम चला।

ओपीडी में रोज करीब 2400 और इमरजेंसी में 300-400 मरीज आते हैं, जिन्हें अल्ट्रासाउंड की जरूरत होती है। हृदय रोग विशेषज्ञ की कमी से मरीजों को दूसरे अस्पतालों में रेफर किया जाता है। प्रशासन ने उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से भी इस संबंध में मांग की है।





सीएमएस डॉ. जयप्रकाश मौर्य ने बताया, 3 अक्टूबर से रेडियोलॉजिस्ट के आने की उम्मीद है। उनके आने के बाद अल्ट्रासाउंड दोबारा शुरू होगा, जिससे मरीजों को राहत मिलेगी।

फास्ट न्यूज

कानपुर की 7 विधानसभा सीटों पर एआईएमआईएम लड़ेगी चुनाव

कानपुर। कानपुर में AIMIM ने 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी ने कानपुर की 7 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इन सीटों पर संगठन को मजबूत करने के साथ संभावित प्रत्याशियों की तलाश भी शुरू कर दी गई है। पार्टी के नगर अध्यक्ष दिलदार गाजी ने बताया कि गोविंद नगर, सीसामऊ, आर्य नगर, किदवई नगर, कानपुर छावनी, महाराजपुर और घाटमपुर सीट पर चुनाव लड़ने की तैयारी है।

युवक ने नीम के पेड़ से लटककर-जान दी

हरदोई। हरदोई जनपद में हरियावां थाना क्षेत्र के संधिनावां गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। गुरुवार सुबह नींद से उठे एक 40 वर्षीय युवक ने घर से करीब एक किलोमीटर दूर जाकर नीम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और परिवार में कोहराम मचा हुआ है। शव सुबह करीब 8:30 बजे लटका देखा गया। पुलिस और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, संधिनावां गांव निवासी रामकिशन का 40 वर्षीय पुत्र रणवीर खेती-किसानी करते थे।

डायलिसिस पर चल रही महिला की मौत

हरदोई। हरदोई में कोतवाली देहात क्षेत्र के कंथाथोक गांव में किडनी के गंभीर संक्रमण के चलते डायलिसिस पर चल रही 31 वर्षीय गुलफ्शां बानो की बुधवार देर रात करीब 12:30 बजे घर पर मौत हो गई। महिला की मौत के बाद उसकी मां ने ससुराल पक्ष पर बेटी की हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

वो सब हमारे पीडीए हैं : श्याम लाल

राज्यसभा सदस्यों पर विपक्ष के आरोपों का श्यामलाल पाल ने दिया जवाब

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के हैदरगढ़ में गुरुवार दोपहर 2 बजे समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल पहुंचे। इस दौरान राज्यसभा के लिए पार्टी की ओर से भेजे गए सदस्यों को लेकर विपक्ष के सवाल पर उन्होंने जवाब दिया। सपा ने उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के लिए रामगोपाल यादव और धनराज नथवानी को प्रत्याशी बनाया है। श्याम लाल पाल ने कहा, "वो सब हमारे PDA हैं।" उन्होंने कहा कि प्रदेश में गरीबों के विकास और नौजवानों को रोजगार देने वाले उद्योग लाने की दिशा में काम होना चाहिए। कार्यकर्ता सम्मेलन में श्याम लाल पाल से सवाल किया गया कि विपक्ष सपा के राज्यसभा सदस्यों को लेकर सवाल उठा रहा है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि एक सदस्य



परिवार से जुड़े हैं और दूसरे के बड़े कारोबारी परिवार से संबंध बताए जा रहे हैं। ऐसे में सपा PDA की बात कैसे करती है। इस पर श्याम लाल पाल ने कहा, "वो सब हमारे PDA हैं।" सपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जो भी गरीबों के विकास के लिए उद्योग लाने का काम करेगा, वह PDA है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में भेजे गए सदस्यों से गरीबों के कल्याण की योजनाओं और नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने वाले उद्योगों की दिशा में काम करने की अपेक्षा है।

डीएम-सीडीओ की मौजूदगी में बुजुर्गों का सम्मान

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर जनपद में बुजुर्गों के सम्मान और उनकी सेहत को समर्पित दो विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 'वयोश्रेष्ठ मन्दिरम्' (वृद्धाश्रम), अल्लीपुर में आयोजित भव्य समारोह में डीएम राहुल पांडे और मुख्य विकास अधिकारी नेहा व्यडवाल ने स्वयं उपस्थित रहकर बुजुर्गों का सानिध्य प्राप्त किया। अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसके बाद आश्रम में रह रहे सभी वरिष्ठ नागरिकों को फूल-मालाओं, अंगवस्त्रों और उपहारों के साथ भावभीना सम्मान दिया गया। यह कार्यक्रम गुरुवार की दोपहर 1:15 बजे आयोजित किया गया। उत्तर प्रदेश वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति की ओर से भी अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया



गया। सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान द्वारा आयोजित समारोह के दौरान जब प्रशासनिक अधिकारियों ने बुजुर्गों का हालचाल जाना, तो उनके चेहरों पर एक अनूठी संतुष्टि और अपनेपन की चमक साफ झलक रही थी। डीएम ने बुजुर्गों को समाज की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि उनके अनुभव और मार्गदर्शन से ही एक समृद्ध समाज की नींव मजबूत होती है। प्रशासन की ओर से उन्होंने बुजुर्गों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और



वृद्धाश्रम की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने का पूरा भरोसा दिलाया। इसी क्रम में, राजकीय मेडिकल कॉलेज में 'राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम'(NPHCE) के तहत एक विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में कुल 107वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श और निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं। डॉ. आदित्य झींगरन, डॉ. शेर सिंह, डॉ. राखी सिंह के मार्गदर्शन में डॉक्टरों ने बुजुर्ग मरीजों की जांच की और उन्हें गठिया, मधुमेह व उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों से बचाव के लिए जरूरी सावधानियां और जीवनशैली में सुधार के तरीके बताए।



"कार्यक्रम की अध्यक्षा कर रहीं मुख्य विकास अधिकारी नेहा व्यडवाल ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल करना और उन्हें अपनापन देना हम सभी का नैतिक दायित्व है। इस दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी अवनीश कुमार यादव ने सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। अतिथियों ने आश्रम परिसर में वृक्षारोपण किया तथा बुजुर्गों को वस्त्र, मिष्ठान और फल वितरित किए, जिससे पूरा माहौल आत्मीयता से भर गया। संस्थान के निदेशक डॉ. शीर्षन्दु शील त्रिवेदी विपिन ने सभी का स्वागत किया।

डीएम ने संचारी रोग अभियान रैली को दिखाई हरी झंडी

उन्नाव में 1 से 31 अक्टूबर तक लोगों को करेंगे जागरूक

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में संचारी रोगों की रोकथाम और लोगों को जागरूक करने के लिए गुरुवार से विशेष संचारी रोग अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत हुई। जिला अस्पताल परिसर में सुबह करीब 11 बजे डीएम घनश्याम मीणा ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अभियान एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमें लोगों को संचारी और वेक्टर जनित रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करेंगी। डीएम ने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले के अधिक से अधिक परिवारों और लोगों को संचारी रोगों के प्रति जागरूक करना है, ताकि लोग स्वयं



उन्नाव में संचारी रोगों के खिलाफ अभियान, लोगों को जलभराव और स्वच्छता के प्रति किया जागरूक।

और अपने बच्चों को स्वस्थ रख सकें। उन्होंने कहा कि डेंगू, मलेरिया समेत अन्य वेक्टर जनित बीमारियों के साथ ही पानी से होने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए जागरूकता बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इन बीमारियों से बचाव के लिए लोगों को अपने आसपास का वातावरण साफ रखना होगा। घरों और आसपास कहीं भी पानी जमा नहीं होने देना चाहिए। पुराने टायर, बर्तन अथवा ऐसी अन्य वस्तुओं में पानी जमा होने पर उसे तत्काल हटाना चाहिए। जलभराव वाले स्थानों पर मच्छरों का लार्वा पनपने की आशंका रहती है। ऐसे में नियमित सफाई और पानी की निकासी कराकर मच्छरों के प्रजनन को रोका जा सकता है। डीएम ने हाल में हुई बारिश के बाद शहर में जलभराव और जलनिकासी की स्थिति को लेकर किए गए निरीक्षण का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि बारिश के दौरान नगर क्षेत्र का भ्रमण कर जलनिकासी के बिंदुओं का जायजा लिया गया था।

तालाब की जमीन से हटा अवैध कब्जा

शिकायत पर प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण ढहाया, कब्जेदारों में खलबली

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव सदर कोतवाली क्षेत्र के सरोसी में गुरुवार को तालाब की भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत पर सदर तहसील प्रशासन ने कार्रवाई की। राजस्व विभाग और प्रशासनिक टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और बुलडोजर से तालाब की जमीन पर किए गए अतिक्रमण को हटाया। प्रशासन की कार्रवाई से मौके पर हड़कंप मच गया। वहीं आसपास के अन्य संभावित कब्जेदारों में भी खलबली रही। बताया गया कि सरोसी क्षेत्र में तालाब की सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत प्रशासन को मिली थी। शिकायत के बाद राजस्व विभाग की ओर से मामले की जांच कराई गई। राजस्व अभिलेखों में भूमि की स्थिति की जांच के बाद प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। गुरुवार को सदर तहसील



प्रशासन की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। टीम ने बुलडोजर की मदद से तालाब की भूमि पर किए गए निर्माण और अन्य अतिक्रमण को हटाना शुरू किया। कार्रवाई के दौरान आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। टीम ने तालाब की भूमि को कब्जे से मुक्त कराया। कार्रवाई के दौरान किसी तरह के विरोध की स्थिति सामने नहीं आई।

अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए अभियान

प्रशासन की ओर से कहा गया कि सरकारी और सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर अवैध कब्जा स्वीकार नहीं किया जाएगा। शिकायत मिलने पर राजस्व अभिलेखों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। तालाब, रास्ते और अन्य सार्वजनिक उपयोग की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए अभियान जारी रहेगा। अधिकारियों ने लोगों से सरकारी भूमि पर कब्जा नहीं करने और बिना अनुमति किसी प्रकार का निर्माण नहीं करने की अपील की है। साथ ही लोगों से सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत संबंधित अधिकारियों को देने को कहा गया है।

"प्रशासन की कार्रवाई की जानकारी आसपास के इलाकों में भी फैल गई। लोग मौके पर पहुंचकर बुलडोजर से अतिक्रमण हटाए जाने की कार्रवाई देखते रहे। सरकारी और सार्वजनिक उपयोग की जमीन पर कब्जे के खिलाफ हुई कार्रवाई के बाद अन्य संभावित अवैध कब्जेदारों में भी खलबली मच गई।

अंकित को अंतिम विदाई देने उमड़ा जनसैलाब | **सीआईएसएफ शिविर की गोलीबारी में गई थी असिस्टेंट कमांडेंट की जान**

तिरंगे में लिपटकर गांव लौटा इकलौता बेटा

बृजेंद्र वीर सिंह

अंबेडकरनगर। जम्मू-कश्मीर के कठुआ स्थित सीआईएसएफ शिविर में गोलीबारी में जान गंवाने वाले असिस्टेंट कमांडेंट अंकित कुमार पांडेय का पार्थिव शरीर बृहस्पतिवार को उनके पैतृक गांव दौलतपुर एकसारा (मठिया) पहुंचा। तिरंगे में लिपटा पार्थिव शरीर सेना की गाड़ी से गांव पहुंचा तो परिवार और ग्रामीण अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़े। सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग गांव में मौजूद थे।

सेना की गाड़ी से पार्थिव शरीर उतारा गया तो परिवार में कोहराम मच गया। 75 वर्षीय पिता शिव प्रकाश पांडेय और मां प्रमिला बेटे को याद कर बार-बार बेसुध होते रहे। पत्नी प्रियंका भी परिवार को संभालती रहीं। छह बहनों योगेश्वरी,



ललिता, नितेश्वरी, सुधा, सीमा और अंतिमा ने भाई के अंतिम दर्शन किए। परिवार के बीच शोक का माहौल रहा।

अंकित का पार्थिव शरीर बृहस्पतिवार सुबह करीब छह बजे लखनऊ एयरपोर्ट लाया गया। वहां से सेना की फूलों से सजी गाड़ी से उसे अंबेडकरनगर रवाना किया गया। दौलतपुर एकसारा मठिया पहुंचने से पहले ही गांव और आसपास के रास्तों पर लोगों की भीड़ जुटने लगी थी।

इकलौते बेटे के साथ जुड़ी थीं छह बहनों की यादें

दौलतपुर एकसारा मठिया गांव इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र में है। यह अकबरपुर से करीब 28 किलोमीटर दूर है। अंकित सेवानिवृत्त शिक्षक शिव प्रकाश पांडेय के इकलौते पुत्र थे। परिवार में उनकी छह बहनें हैं। सभी बहनों की शादी हो चुकी है। अंकित घर में सबसे छोटे थे।



पार्थिव शरीर गांव पहुंचने के बाद बहनों ने भाई के अंतिम दर्शन किए। परिवार के लोगों के साथ गांव की महिलाओं और ग्रामीणों की भी बड़ी संख्या में मौजूदगी रही।

पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटा था। गांव पहुंचने के बाद एनटीपीसी स्थित सीआईएसएफ बटालियन के जवानों ने उन्हें सलामी दी। इसके बाद अंतिम यात्रा शुरू हुई। बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और अधिकारी इसमें शामिल हुए।

2019 में हुई थी शादी, ढाई साल का बेटा

अंकित की शादी वर्ष 2019 में प्रियंका से हुई थी। उनका ढाई साल का बेटा अगस्त्य है। परिवार को मंगलवार की घटना की जानकारी मिलने के बाद गांव में लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था। मंगलवार शाम करीब साढ़े सात बजे कठुआ स्थित सीआईएसएफ शिविर में जवानों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी दौरान एक हेड कांस्टेबल ने सरकारी राइफल से गोलीबारी कर दी। अचानक हुई फायरिंग में असिस्टेंट कमांडेंट अंकित कुमार पांडेय, उपनिरीक्षक लक्ष्मण सिंह समेत चार जवानों की मौत हो गई थी। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण और आसपास के लोग शामिल हुए। गांव में अंकित कुमार अमर रहें के नारे भी लगाए गए। इसके बाद पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार स्थल ले जाया गया। दोपहर करीब 1:30 बजे अंतिम संस्कार किया गया।

5 लाख के अवैध-पटाखों के साथ 6 आरोपी हुए गिरफ्तार

त्योहारी सीजन से पहले पुलिस ने पिकअप सीज किया, 39 गत्ता माल बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जनपद की हरपालपुर कोतवाली पुलिस ने आगामी त्योहारों से पहले अवैध पटाखों के खिलाफ अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान गंगा एक्सप्रेस-वे की सर्विस लेन पर पुलिस ने 5 लाख रुपए कीमत के अवैध पटाखों के साथ छह लोगों को गिरफ्तार किया। यह जानकारी पुलिस द्वारा गुरुवार दोपहर बाद 3:56 बजे दी गई। सीओ हरपालपुर प्रवीण यादव ने बताया कि चेकिंग अभियान के दौरान एक पिकअप से अवैध आतिशबाजी ले जाए जाने की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर वाहन की तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन से छोटे-बड़े कुल 39 गत्ते अवैध आतिशबाजी व विस्फोटक सामग्री बरामद की गई।



सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर अवैध रूप से ले जाए जा रहे इस माल को और परिवहन में प्रयुक्त पिकअप वाहन को मोटर व्हीकल एक्ट के तहत सीज कर दिया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान दुर्गेश पुत्र इच्छाराम (निवासी टिलिया घटवासा, थाना अरवल, हरदोई), अवनीश कुमार पुत्र राजबहादुर (निवासी जोधनपुरवा, थाना हरपालपुर), शिवम पुत्र वीरेन्द्र, अमित पुत्र प्रभुशंकर, राहुल कुमार पुत्र शिवशंकर और आर्यन शुक्ला पुत्र वीरेन्द्र (चारों निवासी ग्राम व थाना हरपालपुर, हरदोई) के रूप में हुई है। त्योहारी सीजन के चलते क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह चाक-चौबंद कर दिया गया है। संभावित हादसों को रोकने और अवैध भंडारण पर नकेल कसने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अमला पूरी तरह मुस्तैद है। सीओ हरपालपुर प्रवीण यादव ने बताया कि बरामद की गई आतिशबाजी करीब 5 लाख कीमत की है। इस मामले में पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा विस्फोटक अधिनियम, 1984 की धारा 5/9 (b) के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर लिया है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक दीपक कुमार, कांस्टेबल कल्याण सिंह, मोहित सिंह, राजाबाबू और सुमित कुमार शामिल रहे।

300 मीटर का चक्कर खत्म कराने की मांग

एमएसीटी कोर्ट भी अंबेडकरनगर लाने की उठी आवाज

आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। एनटीपीसी टांडा में 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान के तहत स्वच्छता और जनजागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। 'स्वच्छता में सहभागिता; स्वच्छ भारत, विकसित भारत' थीम के तहत चलाए गए अभियान में एनटीपीसी के कर्मचारियों के साथ विद्यार्थियों, टाउनशिपवासियों और आसपास के समुदाय के लोगों ने भी सहभागिता की। अभियान के दौरान लोगों को स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखकर इसे रोजमर्रा की आदतों में शामिल करने का संदेश दिया गया। स्वच्छता अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।



कर्मचारियों और प्रतिभागियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इसके अलावा नुक्कड़ नाटक और स्लोगन प्रतियोगिता के माध्यम से स्वच्छता का संदेश लोगों तक पहुंचाया गया। नुक्कड़ नाटक के जरिए स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक स्थानों को साफ रखने की जरूरत को सरल तरीके से समझाया गया। वहीं स्लोगन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेश प्रस्तुत किए। अभियान के दौरान सफाई व्यवस्था से जुड़े सफाईमित्रों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी गई। 'सफाईमित्र सुरक्षा एवं सम्मान' कार्यक्रम के तहत सफाईमित्रों की स्वास्थ्य जांच कराई गई।

अभियान के दौरान कचरा पृथक्करण और बेहतर कचरा प्रबंधन को लेकर भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। लोगों को गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने तथा कचरे के उचित निस्तारण की जानकारी दी गई। इसके साथ ही पुराने और अनुपयोगी सामान के निस्तारण तथा ई-कचरे के उचित प्रबंधन पर भी विशेष जोर दिया गया।

*बार एसोसिएशन ने जिला जज को सौंपा ज्ञापन, न्यायालय परिसर में उपडाकघर और एटीएम की स्थापना की भी मांग

संयंत्र और टाउनशिप में चला स्वच्छता अभियान

अभियान के तहत एनटीपीसी टांडा के संयंत्र परिसर और टाउनशिप में विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। कर्मचारियों और समुदाय के सदस्यों ने सामूहिक रूप से श्रमदान करते हुए कार्यालयों, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई की। इस दौरान परिसर में साफ-सफाई के साथ ही आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ और व्यवस्थित रखने पर जोर दिया गया। लोगों ने स्वयं सफाई अभियान में हिस्सा लेकर स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया।

दो हजार मुकदमों की पैरवी अयोध्या में

बार एसोसिएशन ने एमएसीटी न्यायालय के क्षेत्राधिकार का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। एसोसिएशन के अनुसार करीब पांच वर्ष पहले इसका क्षेत्राधिकार अंबेडकरनगर से अयोध्या स्थानांतरित किया गया था।

जिला मुख्यालय से अयोध्या कचहरी की दूरी करीब 65 किलोमीटर है। एसोसिएशन का कहना है कि अंबेडकरनगर में करीब दो हजार मुकदमे विचाराधीन हैं।

इन मामलों की पैरवी के लिए वादी और अधिवक्ताओं को अयोध्या जाना पड़ता है।

इससे समय और यात्रा खर्च बढ़ रहा है। अधिवक्ताओं को भी पैरवी के लिए पूरा दिन देना पड़ रहा है। बार एसोसिएशन ने एमएसीटी न्यायालय का क्षेत्राधिकार अंबेडकरनगर में वापस किए जाने की मांग की है।

टांडा में एक घंटा, एक दिन, सामूहिक श्रमदान से चला स्वच्छता अभियान

वार्डों में सभासद, नागरिकों और सफाई कर्मियों ने की सफाई

तमसा संकेत, संवाददाता



टांडा (अंबेडकरनगर)। स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के तहत गुरुवार को नगर पालिका परिषद टांडा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। सुबह आठ से नौ बजे तक एक घंटा सामूहिक श्रमदान किया गया। अभियान अधिशासी अधिकारी प्रियंका मिश्रा के नेतृत्व में हुआ। वार्ड सभासदों, नागरिकों, पालिका अधिकारियों-कर्मचारियों और सफाई मित्रों ने सफाई अभियान में हिस्सा लिया। इसके बाद स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

लोगों को गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग रखने के लिए जागरूक किया गया। कूड़ा इधर-उधर न फेंकने और डस्टबिन का प्रयोग करने की अपील की गई। अभियान में सभासद राकेश गुप्ता, घिसियावन मौर्य, मोहम्मद अशरफ, मोहम्मद अशरफ लालबाल, मो. तारिक और जुल्फेकार अहमद सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल रहे। सफाई नोडल शमशाद जुबैर, अवर अभियंता जलकल आशीष कुमार चौहान, अवर अभियंता सिविल नितेश मौर्य, राजस्व निरीक्षक सलमान खान, कार्यालय अधीक्षक निशांत पांडेय और लिपिक जलील अहमद भी मौजूद रहे। सफाई प्रभारी मोहम्मद अहमद, मोहम्मद हुसैन, मोहम्मद इदरीस, मोहम्मद सुहेल, महेंद्र कुमार, मो. रब्बानी, प्रभुदिन, शकील अहमद, परवेज अहमद समेत सफाई मित्रों ने श्रमदान किया।

रच्छता ही सेवा अभियान के तहत यह कार्यक्रम 25 सितंबर से दो अक्तूबर तक चल रहा है।

फास्ट न्यूज

पुलिस लाइन में एएसपी ने परखी व्यवस्था

अंबेडकरनगर। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी देवेश चतुर्वेदी ने गुरुवार को पुलिस लाइन का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस लाइन की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एएसपी ने क्वार्टर गार्द, स्टोर रूम, मलखाना और शस्त्रागार देखा। उन्होंने संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली और पुलिसकर्मियों से आवश्यक बिंदुओं पर जानकारी प्राप्त की।

एक साथ चला सफाई अभियान, कॉलेज से सभी वार्डों तक हुई सफाई

अंबेडकरनगर। नगर पालिका परिषद अकबरपुर की ओर से गुरुवार को 'एक घंटा, एक दिन, एक साथ' अभियान के तहत महास्वच्छता अभियान चलाया गया। महामाया कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय परिसर समेत नगर के सभी वार्डों में एक साथ सफाई कराई गई। अभियान में विद्यार्थी, शिक्षक, पालिका कर्मचारी और नागरिक शामिल हुए। शिव बाबा स्थित महामाया कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में विद्यार्थियों ने श्रमदान किया। विद्यालय, छात्रावास और कॉलोनी परिसर में सफाई की गई।

ड्यूटी 80 किमी दूर, भत्ता महीनों बाद

अंबेडकरनगर। ड्यूटी आवंटन और भुगतान से जुड़ी समस्याओं को लेकर पीआरडी जवानों ने गुरुवार को जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया। जवानों ने अप्रैल 2026 से ड्यूटी व्यवस्था में आ रही दिक्कतों की जांच कराने की मांग की। उनका कहना है कि कई जवानों की ड्यूटी उनके विकासखंड से 70 से 80 किलोमीटर दूर लगाई जा रही है। इससे ड्यूटी पर पहुंचने में अधिक समय और अतिरिक्त खर्च हो रहा है।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य शिविर में 501 छात्राओं और मरीजों की जांच

कॉस्मोपॉलिटन स्कूल में 231 छात्राओं को मिला परामर्श

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज के बाल रोग और स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की टीम ने कॉस्मोपॉलिटन स्कूल, असोपुर टांडा में छात्राओं की जांच की। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में भी मरीजों को चिकित्सीय परामर्श दिया गया। कॉस्मोपॉलिटन स्कूल में सुबह 10 से दोपहर दो बजे तक चले शिविर में बाल रोग विभाग ने 156 छात्र-छात्राओं की जांच की। इनमें करीब 30 से 40 में एनीमिया, 20 से 25 में मानसिक तनाव और चार से छह में कुपोषण के लक्षण मिले। संबंधित लोगों को चिकित्सीय परामर्श दिया गया। आवश्यक जांच के लिए नमूने भी भेजे गए। स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग ने 75 छात्राओं को परामर्श दिया।

इस दौरान स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। शिविर में गर्भावस्था के दौरान देखभाल, प्रसव के बाद नवजात की देखभाल, स्तनपान, पोषण और परिवार नियोजन के बारे में जागरूक किया गया। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अबरार अहमद और डॉ. मुकुल तथा स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. बबिता और डॉ. कविता ने सेवाएं दीं। फार्मासिस्ट वीरेंद्र चौधरी और दिवाकर समेत अन्य कर्मचारियों ने सहयोग किया। मेडिकल कॉलेज के बाल रोग और स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की ओपीडी में भी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। बाल रोग विभाग में 104 मरीजों को चिकित्सीय परामर्श दिया गया।

स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में 166 मरीजों को परामर्श मिला। बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अमित गुप्ता, डॉ. अतुल मिश्रा, डॉ. विजय यादव और डॉ. मोनिका तथा स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. हिना सैयदा और डॉ. रुचि पांडेय समेत कर्मचारियों ने शिविर में सेवाएं दीं।

एनटीपीसी टांडा में 'स्वच्छता ही सेवा 2026' के तहत श्रमदान, नुक्कड़ नाटक और जागरूकता कार्यक्रम

स्वच्छता अभियान में उतरे कर्मचारी और विद्यार्थी, कचरा प्रबंधन पर भी दिया जोर

तमसा संकेत, संवाददाता



टांडा। एनटीपीसी टांडा में 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान के तहत स्वच्छता और जनजागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। 'स्वच्छता में सहभागिता; स्वच्छ भारत, विकसित भारत' थीम के तहत चलाए गए अभियान में एनटीपीसी के कर्मचारियों के साथ विद्यार्थियों, टाउनशिपवासियों और आसपास के समुदाय के लोगों ने भी सहभागिता की। अभियान के दौरान लोगों को स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखकर इसे रोजमर्रा की आदतों में शामिल करने का संदेश दिया गया। अभियान के तहत एनटीपीसी टांडा के संयंत्र परिसर और टाउनशिप में विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। कर्मचारियों और समुदाय के सदस्यों ने सामूहिक रूप से श्रमदान करते हुए कार्यालयों, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई की। इस दौरान परिसर में साफ-सफाई के साथ ही आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ और व्यवस्थित रखने पर जोर दिया गया। लोगों ने स्वयं सफाई अभियान में हिस्सा लेकर स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। अभियान के दौरान कचरा पृथक्करण और बेहतर कचरा प्रबंधन को लेकर भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। लोगों को गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने तथा कचरे के उचित निस्तारण की जानकारी दी गई। इसके साथ ही पुराने और अनुपयोगी सामान के निस्तारण तथा ई-कचरे के उचित प्रबंधन पर भी विशेष जोर दिया गया। अभियान के माध्यम से लोगों को बताया गया कि कचरे का सही तरीके से निस्तारण पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ वातावरण के लिए जरूरी है।

स्वच्छता अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। कर्मचारियों और प्रतिभागियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इसके अलावा नुक्कड़ नाटक और स्लोगन प्रतियोगिता के माध्यम से स्वच्छता का संदेश लोगों तक पहुंचाया गया। नुक्कड़ नाटक के जरिए स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक स्थानों को साफ रखने की जरूरत को सरल तरीके से समझाया गया।

विद्यार्थियों को 3आर का दिया संदेश

विद्यार्थियों को कचरा प्रबंधन और स्रोत पर कचरा अलग करने की जानकारी दी गई। उन्हें 3आर सिद्धांत के बारे में बताया गया। इसमें Reduce, Reuse और Recycle यानी कम उपयोग, पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण शामिल हैं। जल संरक्षण और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण के लिए भी जागरूक किया गया।

डीएम ने बिजली के अधूरे काम भी जल्द पूरा करने के दिए निर्देश

10 अक्तूबर तक प्रमुख सड़कें चमकेंगी, 31 तक पूरे जिले के रास्तों से हटेंगे गड्ढे

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। बारिश और तेज हवाओं से प्रभावित बिजली व्यवस्था को पटरी पर लाने के साथ जिले की सड़कों को गड्ढामुक्त करने की कवायद तेज होगी। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने दोनों कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयसीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

प्रमुख मार्गों को 10 अक्तूबर तक और जिले के सभी मार्गों को 31 अक्तूबर तक गड्ढामुक्त करने का लक्ष्य तय किया गया है। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में डीएम ने चक्रवात अर्नव के कारण क्षतिग्रस्त बिजली तारों और गिरे पोलों की मरम्मत की प्रगति जानी। उन्होंने बचे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने को कहा। बिजली आपूर्ति में समस्या आने पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। अधीक्षण अभियंता विद्युत को क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर व्यवस्था की निगरानी करने को कहा गया। डीएम ने साफ किया कि बचे बिजली कार्य निर्धारित समय में पूरे किए जाएं, जिससे आपूर्ति व्यवस्था सामान्य बनी रहे। इसके बाद 31 अक्तूबर तक जिले के सभी मार्गों पर गड्ढामुक्ति का काम पूरा करने को कहा।

705 मार्गों पर होना है नवीनीकरण और पैच मरम्मत

सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा में लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता सौरभ सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में नवीनीकरण और पैच मरम्मत योजना के तहत 705 मार्गों पर काम प्रस्तावित है। इनमें 370 मार्गों के लिए धनराशि मिल चुकी है। डीएम ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को 10 अक्तूबर तक एसएचए, एमडीआर, ओडीआर और मूर्ति विसर्जन से जुड़े मार्गों को प्राथमिकता से गड्ढामुक्त करने के निर्देश दिए।

मालीपुर लिंक मार्ग पर जलभराव, तत्काल निकासी के निर्देश

समीक्षा के दौरान मालीपुर चौराहे के लिंक मार्ग पर जलभराव का मामला भी सामने आया। डीएम ने निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता अश्वनी कुमार को तत्काल जल निकासी की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। बैठक में कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद, जिला पंचायत प्रशासक श्याम सुंदर वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी वैभव मिश्रा, जलालपुर विधायक प्रतिनिधि, अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी, विद्युत विभाग और लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता तथा एनएचए-आई के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

60 लेखपालों के भरोसे 103 हल्के, 43 में काम ठप, प्रमाणपत्रों के लिए भटक रहे लोग

अतिरिक्त प्रभार छोड़ने से आय, जाति और निवास प्रमाणपत्रों का काम प्रभावित

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। आलापुर तहसील में लेखपालों के अतिरिक्त हल्कों के प्रभार का मामला अब आम लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है। तहसील क्षेत्र में 103 लेखपाल हल्के बताए जा रहे हैं। इसके सापेक्ष 60 हल्कों में ही लेखपाल तैनात हैं। ऐसे में 43 हल्कों का काम इन्हीं लेखपालों के पास अतिरिक्त प्रभार में था। करीब एक सप्ताह से अतिरिक्त प्रभार वाले हल्कों में काम नहीं होने की बात सामने आई है। इससे आय, जाति और निवास प्रमाणपत्रों के निर्गमन पर असर पड़ा है। आलापुर तहसील में लेखपालों की संख्या और हल्कों के बीच अंतर लंबे समय से बना हुआ है। 103 हल्कों में 60 लेखपालों की तैनाती है। इन लेखपालों को अपने मूल हल्के के साथ 43 अन्य हल्कों का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। अब अतिरिक्त प्रभार वाले हल्कों में काम नहीं होने से इन क्षेत्रों के लोगों के राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। सबसे ज्यादा असर उन प्रमाणपत्रों पर बताया जा रहा है, जिनके लिए लेखपाल की रिपोर्ट जरूरी होती है। आय, जाति और निवास प्रमाणपत्र छात्रवृत्ति, शैक्षणिक प्रवेश, प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी भर्ती के आवेदन में जरूरी होते हैं। प्रमाणपत्र समय से नहीं मिलने के कारण विद्यार्थियों और अभ्यर्थियों को परेशानी हो रही है। कई अभ्यर्थियों के लिए आवेदन की समयसीमा महत्वपूर्ण है। ऐसे में प्रमाणपत्र नहीं मिलने से आवेदन प्रक्रिया प्रभावित होने की चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों को प्रमाणपत्रों के लिए तहसील के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। व्यवस्था सामान्य करने के लिए उपजिलाधिकारी और तहसीलदार स्तर से अतिरिक्त प्रभार वाले हल्कों का काम राजस्व निरीक्षकों से कराने का प्रयास किया गया। बताया जा रहा है कि राजस्व निरीक्षकों ने अतिरिक्त हल्कों का प्रभार लेने से इनकार कर दिया। इससे वैकल्पिक व्यवस्था भी प्रभावी नहीं हो सकी। अब अतिरिक्त प्रभार वाले 43 हल्कों में राजस्व कार्य कैसे संचालित होंगे, यह बड़ा सवाल बना है। ग्रामीणों और अभ्यर्थियों ने तहसील प्रशासन से जल्द वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि आय, जाति और निवास प्रमाणपत्रों का काम फिर से सुचारु हो सके।

राजस्व भूमि से कब्जा हटते ही फिर शुरू हुआ अतिक्रमण, प्रशासन के लौटते ही बढ़ी हलचल

नगरपालिका, राजस्व और पुलिस टीम की मौजूदगी में हटाया गया था कब्जा

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। अकबरपुर नगरपालिका क्षेत्र के बनगांव रोड पर राजस्व भूमि से कब्जा हटाने की कार्रवाई के बाद दोबारा कब्जे के प्रयास का मामला सामने आया है। नगरपालिका, राजस्व विभाग और पुलिस की मौजूदगी में गुरुवार को भूमि से अवैध कब्जा हटाया गया था। टीम के लौटने के बाद दोबारा उसी स्थान पर कब्जा करने की कोशिश शुरू होने की सूचना है। जानकारी के अनुसार राजस्व भूमि पर कब्जे की शिकायत के बाद नगरपालिका, राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। टीम की मौजूदगी में कब्जा हटाया गया। कार्रवाई के बाद संबंधित टीम मौके से लौट गई। इसके बाद कुछ लोगों की ओर से दोबारा भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किए जाने की बात सामने आई। इससे मौके पर फिर स्थिति बदल गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना प्रशासन को दी। कब्जा हटाने के बाद दोबारा निर्माण या कब्जे की कोशिश की सूचना को लेकर प्रशासन के सामने जमीन की निगरानी की चुनौती भी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मौके पर दोबारा कब्जा न हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए।

राजस्व भूमि पर दोबारा कब्जे का प्रयास

स्थानीय लोगों के अनुसार जिस जमीन से कब्जा हटाया गया था, उसी स्थान पर दोबारा कब्जे की कोशिश की जा रही है। इससे कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि राजस्व भूमि पर दोबारा कब्जे की स्थिति की तत्काल जांच कराई जानी चाहिए। मामला अकबरपुर नगरपालिका क्षेत्र के बनगांव रोड का है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मौके की स्थिति की दोबारा जांच कराने और राजस्व भूमि को कब्जामुक्त बनाए रखने की मांग की है।

निर्देश : डीएम ने रैली और प्रचार वाहनों को दिखाई हरी झंडी, 31 अक्तूबर तक चलेगा अभियान

जलभराव वाले इलाकों पर रहेगी खास नजर, शुरू हुआ संचारी रोग नियंत्रण अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। बारिश के बाद संचारी रोगों की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया है। गुरुवार से जिले में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान-2026 शुरू किया गया। कलेक्ट्रेट परिसर से जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने जागरूकता रैली और प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अभियान 31 अक्तूबर तक चलेगा।

डीएम ने अधिकारियों को अभियान की कार्ययोजना के अनुसार काम करने के निर्देश दिए। ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों के हाईरिस्क इलाकों में विशेष निगरानी रखने को कहा गया। जलभराव रोकने के साथ फॉगिंग और एंटी लार्वा छिड़काव कराने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर संपर्क करेंगी। लोगों को संचारी रोगों से बचाव के तरीके बताए जाएंगे। घर और आसपास की स्वच्छता, पानी जमा होने से रोकने और बीमारी के लक्षणों पर समय से इलाज कराने की जानकारी दी जाएगी।

शुभारंभ के दौरान डीएम ने अधिकारियों और कर्मचारियों को संचारी रोगों से बचाव और स्वच्छता की शपथ दिलाई। घर और आसपास सफाई रखने, जलभराव रोकने और लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया गया। बुखार से पीड़ित व्यक्ति के परिजनों को सरकारी अस्पताल में उपचार कराने के लिए प्रेरित करने की बात भी शपथ में शामिल रही।



प्रचार वाहनों से गांव-शहर में पहुंचेगा संदेश

अभियान के तहत प्रचार वाहनों के माध्यम से ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के साथ अन्य संबंधित विभाग भी अभियान की गतिविधियों में शामिल रहेंगे।

डीएम ने लोगों से घर और आसपास पानी जमा न होने देने तथा बुखार या बीमारी के लक्षण दिखने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की अपील की।

इस मौके पर सीएमओ डॉ. प्रमोद कुमार, सीडीओ वैभव मिश्रा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरविंद कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

देश में बड़े बदलाव की शुरुआत



नरेन्द्र मोदी के सामने इस समय राहुल गांधी ने फिर से एक बड़ी चुनौती पेश कर दी है। भाजपा, नरेंद्र मोदी, अमित शाह और ज्ञानेश कुमार ने चुनाव में धांधली की है। हम इसे चुपचाप बर्दाश्त नहीं करेंगे। भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने वालों को दंडित किया जाएगा, चाहे वे कितने भी वरिष्ठ पद पर क्यों न हों। भारत के लोकतंत्र से बड़ा कोई नहीं है। यह बातें जब बुधवार को इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कही, तो उनके शब्दों की गंभीरता को नजरंदाज करना मुश्किल था। राहुल गांधी पहले भी कह चुके हैं कि साल भर के भीतर मोदी सरकार चली जाएगी। उन्होंने दावा किया है कि अब मोदी सरकार की बनाई व्यवस्था दरक रही है और भीतर से ही जानकारियां बाहर आ रही हैं। यह बात पहले से मोदी सरकार के लिए परेशानी का सबब थी और अब इंडिया गठबंधन की बैठक ने भाजपा और चुनाव आयोग को और ज्यादा डरा दिया है। पिछले हफ्ते द इंडियन एक्सप्रेस ने चुनाव आयोग के भीतर ज्ञानेश कुमार के फैसलों से असहमति का सनसनीखेज खुलासा किया था। इसके बाद से देश भर में विपक्ष ने चुनाव आयोग और मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल लिया। कांग्रेस ने तो देश के तमाम राज्यों में विरोध-प्रदर्शन किए और भाजपा सरकारों ने उन्हें कुचलने की आदतन कोशिश की। इसके बाद जब यह तय हुआ कि 30 सितंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक होने वाली है, फिर से चुनाव आयोग को बचाने की कोशिशें शुरु हो गईं। भाजपा और एनडीए नेता तो चुनाव चोरी को नकारते हुए ज्ञानेश कुमार का बचाव कर ही रहे थे, अब बैनर-पोस्टर भी लगाए गए। दिल्ली में राहुल गांधी, अखिलेश यादव जैसे नेताओं पर चुनाव में हार पर तंज कसते हुए पोस्टर लगाए गए। इन पोस्टर्स में लगाने वालों का नाम नहीं लिखा है, जाहिर है जो कोई भी इनके पीछे है वो डरपोक है और छिप कर वार करने में यकीन रखता है। पाठकों को याद होगा कि इससे पहले आठ जून को इंडिया की एक अहम बैठक हुई थी, तब बंगाल चुनाव में धांधली का मामला ताजा था। तब भी राहुल गांधी के खिलाफ ऐसे ही पोस्टर लगे थे। उस बैठक में राहुल गांधी ने प्रतिरोध की राजनीति करने का आह्वान विपक्ष से किया था। विपक्ष के बाकी दल तो खैर अपने एजेंडे और सुविधाओं के हिसाब से ही राहुल गांधी की बात पर आगे बढ़ते हैं, लेकिन इस देश के युवा ने जरूर कहे-अनकहे तरीके से राहुल गांधी की बात पर अमल करना शुरु किया। जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के कहने पर युवा एकत्र हुए, लेकिन उसके बाद सीजेपी की बनाई लकीर से आगे बढ़ते हुए अपना प्रतिरोध मोदी सरकार के खिलाफ दर्ज किया। सोनम वांगचुक ने अनशन तोड़ा या सीजेपी के लोगों ने सरकारी नुमांइदों से मिलकर आंदोलन खत्म करने का ऐलान किया, इन बातों से युवाओं के प्रतिरोध के जज्बे में कोई कमी नहीं आई। पिछले दिनों देश के कई राज्यों में अलग-अलग मुद्दों पर युवा जिस तरह गलत के विरोध में आंदोलनरत हो रहे हैं, वह इसकी मिसाल है। इन युवाओं को एक बार फिर साथ आने का आह्वान इंडिया गठबंधन ने 30 सितंबर की बैठक में किया है। ममता बनर्जी ने तो साफ कहा है कि ज्ञानेश कुमार तुरंत इस्तीफा दें वर्ना लंबा आंदोलन चलाया जाएगा। उन्होंने विपक्षी दलों के अलावा युवाओं, महिलाओं, एनजीओ के साथियों और पत्रकारों समेत समाज के हरेक तबके से लोकतंत्र बचाने की लड़ाई में साथ आने की अपील की है। दो अक्टूबर से इंडिया गठबंधन देश के हर जिले में लोकतंत्र बचाओ मार्च निकालने जा रहा है, जो आठ अक्टूबर तक निकाला जाएगा। छह तारीख को सारे सांसद चुनाव आयोग तक मार्च निकालेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू से मिलने का समय भी मांगा जाएगा। इसके अलावा पांच बड़ी रैलियां देश भर में अगले महीने होंगी और एक नवंबर को दिल्ली में विशाल रैली करने का फैसला बैठक में लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट में लंबित एसआईआर और चुनावी मामलों से संबंधित सभी मामलों के शीघ्र निपटारे की अपील भी इंडिया के नेता करेंगे। यानी मोदी सरकार के खिलाफ प्रतिरोध हर तरीके से तेज किया जाएगा, यह तय हो चुका है। शायद यही वजह है कि अब भाजपा और चुनाव आयोग की घबराहट सामने नजर आ रही है। इंडिया की बैठक के बाद केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान तंज कस रहे हैं कि इस बैठक में अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे, हेमंत सोरेन जैसे नेता नहीं आए क्योंकि इंडिया गठबंधन के लोग राहुल को अपना नेता नहीं मान रहे हैं। ऐसे बयान खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे जैसे लगते हैं। उधर जिस फॉर्म 6 में बदलाव के जरिए 18 बरस की आयु पूरी कर चुके युवाओं का वोटर लिस्ट में नाम दर्ज होने से रोका जा रहा था, उस मनमाने नियम पर भी इंडिया की बैठक से पहले चुनाव आयोग ने यू टर्न ले लिया।

राजनीतिक व्यवहार का प्रतिमान हैं गाँधी



प्रोफ़ेसर शाहिद परवेज़

महात्मा गांधी ने राजनीतिक संस्कृति के श्रेष्ठतम तत्वों का प्रतिनिधित्व करते हुए उस राजनीतिक चेतना को जागृत और विकसित किया जिसके अंतर्गत देश की अधिकतर आबादी और सामाजिक समूहों ने उपनिवेशवाद विरोधी संघर्ष में अधिकाधिक सक्रियता दिखाई।



साम्राज्यवादी विचारधारा जिस काल में निरंकुशता का जश्न मना रही थी, भारत के राजनीतिक धरातल पर महात्मा गांधी समाज में व्याप्त असंतोष को एक संगठित अभिव्यक्ति दे रहे थे। प्रथम विश्व युद्ध और उसके बाद की राजनीतिक परिस्थिति में जब साम्राज्यवाद अपने विचारों और ज़मीनों को विस्तार दे रहा था और आर्थिक शोषण एवं अतिरिक्त कर की नीति के फलस्वरूप आपदा जैसी स्थिति उत्पन्न हो गयी थी ऐसी स्थिति में महात्मा गांधी का राजनीतिक क्षितिज पर उभरना कोई आकस्मिक घटना नहीं थी बल्कि आधुनिक भारतीय राजनीति में उनका आकर्षण उनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि के कारण था जो विविधता की संस्कृति जैसे सिद्धांत की राजनीतिक शैली पर आधारित था और शायद यही कारण था कि महात्मा गांधी का भारतीय राजनीति में उदय औपनिवेशिक साम्राज्य के पतन की पृष्ठभूमि सिद्ध हुआ। महात्मा गांधी ने मनुष्य की रचनात्मकता को उसकी परंपरा से जोड़ने का प्रयास किया और सामाजिक सरोकार के प्रश्न को आध्यात्मिकता की मज़बूत परंपरा से घनिष्ठता के साथ स्थापित भी किया। गांधी जी का प्रतिरोध नैतिक बलों की श्रेष्ठ मान्यताओं पर आधारित था जहां सत्य की शक्ति के साथ अहिंसा मूल आधार था। गांधी जी के राजनीतिक चिंतन, सामाजिक व्यवहार और सांस्कृतिक आदर्श से हमारा परिचय हिंद स्वराज, इंडियन ओपिनियन, यंग इंडिया और हरिजन के माध्यम से होता है जो उनके विचारों और विश्वास के वाहक रहे हैं। भारत में 1907 के बाद जब दोनों आरंभिक राजनीतिक समूह अपनी उपयोगिता की स्वीकृति की तलाश में थे ऐसी परिस्थिति में अगर गांधी जी ने किसी नवीन विचारधारा को जन्म न भी दिया हो तब भी राजनीतिक मर्यादा का एक उत्कृष्ट मापदंड अवश्य स्थापित किया था। अपनी विशिष्ट राजनीतिक शैली के साथ गांधी जी ने कांग्रेस के दोनों धड़ों को एक साथ लाने की सफ़ल कोशिश की और जैसा कि शेखर बंदोपाध्याय का कथन है, ₹ गांधी ने नरमपंथियों के लक्ष्य को गरमपंथियों के तरीक़ों से समन्वित किया है।₹ उन्होंने परिवर्तन के परिभाषित अर्थ के आधार को व्यापक बनाते हुए राजनीतिक विचारधारा को विश्वास के स्तर पर अभिजात वर्गीय से निम्न वर्गीय बनाते हुए किसानों एवं मज़दूरों से सीधा संवाद और संपर्क स्थापित करते हुए संयमित आन्दोलन के लिए प्रेरित किया। गांधी जी ने असहमति एवं असंतोष को पुनर्गठित करके नियंत्रित जन आंदोलन का जो प्रयोग किया तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व के पास इसका कोई विकल्प नहीं था। इस प्रयोग का प्रस्थान बिंदु बिहार के चंपारण का किसान आन्दोलन था जिसके बारे में शेखर बंदोपाध्याय का विचार है कि,

₹ चंपारण राष्ट्रवाद की दंत कथा बन गया ₹। इस प्रयोग का विस्तार खेड़ा एवं अहमदाबाद में भी देखा जा सकता है जहां किसानों एवं मज़दूरों को गांधी जी ने अपने राजनीतिक कौशल से औपनिवेशिक शोषण के मनोवैज्ञानिक डर से निकालने का सफ़ल प्रयास किया। गांधी जी ने जिन आरंभिक आन्दोलनों का नेतृत्व किया वह उनकी गिरफ्तारी के बाद संयमित नहीं रह पाया और अंततः उद्देश्य की आंशिक सफलता ने गांधी जी को अपनी विचारधारा को एक राजनीतिक संगठन के साथ आगे बढ़ने पर विवश किया और उन्होंने एक कुशल राजनीतिक संगठनकर्ता के रूप में अपने आपको जन आन्दोलनों का पर्याय बना दिया।

राष्ट्रीय आंदोलन में गांधी जी की उपस्थिति मात्र से ही राजनीतिक टकराहट की गूंज आदीवासी क्षेत्रों तक भी पहुंची जिन्होंने उपनिवेशवाद विरोधी संघर्ष की एक स्पष्ट चेतना को विकसित किया और आदीवासी क्षेत्र की राजनीतिक चेतना का यह विकास गांधीवादी राजनीति की ही देन है। यह गांधी जी का राजनीतिक कौशल था कि उन्होंने किसानों, मज़दूरों, आदिवासियों एवं अन्य समुदायों को राजनीतिक संगठन के माध्यम से औपनिवेशिक विरोधी आंदोलन का एक ऐसा स्वरूप प्रस्तुत किया जहां चेतना के विभिन्न स्तरों पर वे उनकी विचारधारा को आत्मसात करते हुए राष्ट्रीय आंदोलन के अभिन्न अंग बन गए। स्वतंत्रता आंदोलन के मध्य में ही रचनात्मक कार्यक्रम एक अनूठी पहल सिद्ध हुआ और औपनिवेशिक शासन के दुष्प्रचार के बावजूद यह कार्यक्रम सामाजिक एवं सामुदायिक चेतना को विकसित करने एवं आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में राष्ट्रीय सहमति का प्रतीक बना। गांधी जी ने राजनीति की मर्यादा या मर्यादित राजनीति को अपनी विचारधारा के केन्द्र में रखा। उन्होंने आन्दोलन को जनवादी आधार पर संगठित किया और राजनीतिक प्रश्न के लिए राजनीतिक बहस को प्राथमिकता दी। उन्होंने बहस और मतदान को किसी भी राजनीतिक कार्यक्रम की घोषणा का आधार बनाया और जैसा कि विदित है असहयोग आन्दोलन को 884 के मुक़ाबले 1886 मतों के निर्णय से प्रारंभ किया गया। गांधी जी ने न केवल मतभेदों को सराहा बल्कि स्वतंत्र अभिव्यक्ति की आजीवन वकालत की और विभिन्न धाराओं के सामाजिक समूहों को भी राजनीतिक आंदोलन का हिस्सा बना दिया। गांधी जी की विचारधारा का यह प्रयोग इसलिए संभव हो पाया क्योंकि रविन्द्र कुमार के शब्दों में, ₹ गांधी की कल्पना की जड़ें भारत की सामाजिक वास्तिवकता में समाई हुई थीं और और राष्ट्रीय स्वतंत्रता उनके चिंतन का केंद्र बिन्दु था। गांधीवादी राजनीति ने संघर्ष की सक्रिय भागीदारी में प्रत्येक वर्ग की भूमिका को स्पष्ट रूप से रेखांकित, परिभाषित एवं परिमार्जित करने का साहसिक कार्य किया था। गांधी जी का अमूल्य योगदान यह था कि उन्होंने एक ऐसा आन्दोलन खड़ा किया जिसमें आम लोगों की स्वीकृति का बल था और जिसने अपने अन्दर साहस, परिश्रम, निडरता, नैतिकता और बलिदान जैसे मूल्यों को समाहित कर लिया था। गांधी जी की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक विचारधारा ने राष्ट्रीय आन्दोलन को राजनीतिक रूप से जागृत किया एवं उनकी राष्ट्रव्यापी लोकप्रियता ने जनसाधारण की सक्रिय भागीदारी को संभव बनाया।

एक आम भारतीय गाँधी जी को एक ऐसे संत के रूप में देखता था जो उनकी राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और व्यक्तिगत समस्याओं को हल करने की आध्यात्मिक शक्ति रखता था। आम भारतीय आश्वस्त था कि गांधी जी ने राजनीतिक समझ को विकसित करने के साथ सामाजिक चेतना को समृद्ध किया है और आर्थिक स्वावलंबन के लिए एक बेहतर ज़मीन तैयार की है। महात्मा गांधी ने राजनीतिक संस्कृति के श्रेष्ठतम तत्वों का प्रतिनिधित्व करते हुए उस राजनीतिक चेतना को जागृत और विकसित किया जिसके अंतर्गत देश की अधिकतर आबादी और सामाजिक समूहों ने उपनिवेशवाद विरोधी संघर्ष में अधिकाधिक सक्रियता दिखाई।

महात्मा गांधी ...

ललित गर्ग

शाकाहार है स्वस्थ और संतुलित दुनिया का आधार



बढ़ती बीमारियों, तनावपूर्ण जीवन और पर्यावरणीय संकटों के बीच मनुष्य को अपने खानपान पर नए सिरे से विचार करने की आवश्यकता महसूस हो रही है। जीवन की गुणवत्ता और निरोगता के लिए आहार में परिवर्तन के स्वर आज दुनिया के अनेक हिस्सों में सुनाई दे रहे हैं। इसी संदर्भ में शाकाहार केवल भोजन की एक पद्धति नहीं, बल्कि करुणा, अहिंसा, स्वास्थ्य, पर्यावरण-संरक्षण और संतुलित जीवन का व्यापक दर्शन बनकर सामने आ रहा है। प्रतिवर्ष 1 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व शाकाहार दिवस इसी जीवनशैली के प्रति जागरूकता पैदा करने का अवसर है। इस दिवस का आरंभ 1977 में नॉर्थ अमेरिकन वेजिटेरियन सोसायटी की पहल से हुआ और 1978 में इंटरनेशनल वेजिटेरियन यूनियन ने इसका समर्थन किया। इसका उद्देश्य शाकाहार से जुड़े स्वास्थ्य, पर्यावरणीय, नैतिक और मानवीय पक्षों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शाकाहार को किसी संकीर्ण धार्मिक या खानपान की पहचान तक सीमित न रखकर उसे स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली के रूप में समझा जाए। भोजन मनुष्य के शरीर को ही नहीं, उसके विचारों और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। जैसा भोजन, वैसी वृत्ति और जैसी वृत्ति, वैसा जीवन-यह भारतीय चिंतन की महत्वपूर्ण धारणा रही है। शाकाहार इसी दृष्टि से शरीर और मन दोनों के लिए संतुलन का माध्यम बन सकता है। फल, सब्जियां, दालें, अनाज, मेवे, बीज और अन्य वनस्पति-आधारित खाद्य पदार्थ उचित संतुलन के साथ लिए जाएं तो वे स्वस्थ आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं। हालांकि किसी भी आहार-पद्धति में पोषण-संतुलन आवश्यक है और व्यक्ति की उम्र, स्वास्थ्य तथा जरूरतों के अनुसार भोजन का चयन किया जाना चाहिए।

महात्मा गांधी के अनुसार भोजन केवल स्वाद का विषय नहीं, आत्मसंयम का भी विषय है। वे स्वाद पर नियंत्रण को जीवन-साधना का हिस्सा मानते थे। वास्तव में भोजन का उद्देश्य केवल जिह्वा को संतुष्ट करना नहीं, शरीर को स्वस्थ रखना और जीवन को संयमित बनाना होना चाहिए। आज जब स्वाद और बाजार की संस्कृति हमारे खानपान को तेजी से प्रभावित कर रही है, तब शाकाहार हमें संयम, सादगी और विवेक की ओर लौटने का अवसर देता है। शाकाहार का संबंध केवल स्वास्थ्य से नहीं, करुणा और अहिंसा से भी है। भारत की सांस्कृतिक चेतना में 'अहिंसा परमो धर्मः' की भावना ने सदियों से जीवन को दिशा दी है। भगवान महावीर ने प्रत्येक जीव में जीवन की समानता को स्वीकार करते हुए अहिंसा को धर्म का सर्वोच्च आधार बनाया। गौतम बुद्ध, महात्मा गांधी और अनेक संतों-मनीषियों ने भी करुणा और अहिंसा को मानवीय जीवन का मूल मूल्य माना। जैन दर्शन तो जीव मात्र के प्रति मैत्री और करुणा को जीवन की आधारभूमि मानता है। इसलिए शाकाहार केवल थाली में परिवर्तन नहीं, दृष्टि में परिवर्तन है-वह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि हमारे भोजन की कीमत किसी दूसरे जीव के जीवन से तो नहीं चुकाई जा रही।

शाकाहार का एक महत्वपूर्ण पक्ष पर्यावरण से जुड़ा है। पशुपालन और औद्योगिक मांस उत्पादन के लिए भूमि, जल, चारा और ऊर्जा की बड़ी मात्रा की आवश्यकता होती है। पशुधन से जुड़ी गतिविधियां ग्रीनहाउस गैसों, जल उपयोग और भूमि पर दबाव जैसे पर्यावरणीय प्रश्नों से भी जुड़ी हैं। ऐसे समय में जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, जल-संकट, भूमि क्षरण और जैव-विविधता के संकट से जूझ रही है, टिकाऊ और संतुलित खाद्य प्रणालियों पर विचार करना जरूरी हो गया है। इस दृष्टि से पौध-आधारित भोजन की ओर बढ़ता रुझान पर्यावरणीय विमर्श का भी हिस्सा बन रहा है। शाकाहार का अर्थ केवल मांसाहार का त्याग नहीं है। इसका अर्थ भोजन के प्रति सजगता है। विश्व के अनेक देशों में पौध-आधारित भोजन के प्रति रुचि बढ़ी है। कभी मांसाहार को आधुनिकता और समृद्धि का प्रतीक मानने वाले समाजों में भी अब स्वास्थ्य, पर्यावरण और पशु-कल्याण के प्रश्नों पर नए सिरे से विचार हो रहा है। अनेक वैज्ञानिक, लेखक, दार्शनिक और सामाजिक चिंतक अपने जीवन में शाकाहार का समर्थन करते रहे हैं। लियोनार्डो दा विंची, लियो टॉल्स्टॉय, जॉर्ज बर्नार्ड शॉ और महात्मा गांधी जैसे व्यक्तित्वों के जीवन और विचार शाकाहार तथा करुणा के प्रश्न से जुड़े रहे हैं। यह परिवर्तन बताता है कि भोजन के संबंध में दुनिया की सोच स्थिर नहीं है, अनुभव, विज्ञान और बदलती परिस्थितियां उसे लगातार प्रभावित करती हैं।

यह बदलाव केवल ...

आशिया खातून

प्रदेश में शिक्षा, खेल और संस्कृति में बेटियों की प्रतिमा को मिल रहा प्रोत्साहन

प्रदेश के मुख्यमं त्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश की बेटियो ं के सपनो ं को पंख मिलें, उनकी प्रतिभा को सही मंच मिले और आर्थिक परिस्थितियां उनकी राह में बाधा न बनें उत्तर प्रदेश सरकार की नीतियो ं में इस सोच को लगातार मजबूती दी जा रही है। प्रदेश में बालिकाओ ं की शिक्षा, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और उनके सर्वांगीण विकास को लेकर किए जा रहे प्रयासो ं का असर अब विभिन्न क्षेत्रों में बेटियों की बढ़ती भागीदारी के रूप में दिखाई दे रहा है। इसी विश्वास और ऊर्जा का जीवंत उदाहरण लखनऊ स्थित खुन खुन जी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज में आयोजित राज्य स्तरीय युवा महोत्सव हौसलों की उडान 2026 बना। महोत्सव मे ं शिक्षा के साथ खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों मे ं छात्राओं की सक्रिय भागीदारी ने यह संदेश दिया कि आज की बेटियां किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं। वे पढ़ाई के साथ खेल के मैदान मे ं भी अपनी पहचान बना रही हैं और कला-संस्कृति के क्षेत्र में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। हौसलों की उड़ान में दिखा बेटियों का आत्मविश्वास प्रदेश की बेटियो ं में अपार प्रतिभा और आत्मविश्वास है। पढ़ाई के साथ खेलों और सांस्कृतिक गतिविधियों में उनकी रुचि यह प्रमाणित करती है कि वे हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए तैयार हैं। यह आयोजन महज एक सांस्कृतिक या युवा कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि बेटियों की बदलती भूमिका और बढ़ते आत्मविश्वास की तस्वीर भी प्रस्तुत करता है। पारंपरिक खेलो ं और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। ऐसे मंच पर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें प्रतियोगिता के साथ-साथ टीम भावना, नेतृत्व क्षमता तथा आत्मविश्वास विकसित करने का अवसर देते हैं। बेटियो ं की प्रतिभा को पहचानना और उसे आगे बढ़ने के लिए अवसर उपलब्ध कराना आज के बेटियो ं की बड़ी जरूरत है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में सरकार द्वारा शिक्षा सांस्कृतिक गतिविधियो ं को भी प्रोत्साहन देने की दिशा में किए जा रहे प्रयास इसी व्यापक सोच को आगे बढ़ाते हैं। शिक्षा से आत्मनिर्भरता की राह किसी भी समाज में महिलाओं की वास्तविक प्रगति का सबसे मजबूत आधार शिक्षा होती है। शिक्षित बेटी न केवल अपने भविष्य का बेहतर निर्णय ले सकती है, बल्कि परिवार और समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बालिकाओ ं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अवसर उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया जा रहा है। इसी दिशा में ''मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना'' महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजना का उद्देश्य ऐसे विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है, जो महंगी निजी कोचिंग का खर्च वहन नहीं कर सकते। प्रदेश मे ं संचालित अभ्युदय के ंद्रो ं के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मार्गदर्शन और अध्ययन संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

जरा हटके

शासन से प्राप्त ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

प्रधानमंत्री आवास योजनाः प्रतापगढ़ मे पक्की छत से मिला सुरक्षा और सम्मान

केंद्र एवं प्रदेश सरकार की नीतियों के केंद्र में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े निर्धन और वंचित परिवारों का समग्र उत्थान निहित है। ग्रामीण क्षेत्रों में बेघर और कच्चे व जर्जर मकानों में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित, टिकाऊ और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने की दिश ा मे ं 'प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण ' (च्ड।ल्.ळ) एक युगांतरकारी पहल सिद्ध हुई है। प्रदेश सरकार द्वारा योजना के समयबद्ध और पारदर्शी क्रियान्वयन से प्रदेश भर में लाखों परिवारों का अपने पक्के घर का सपना साकार हुआ है, जिससे उनके जीवन स्तर मे गुणात्मक सुधार और नए आत्मसम्मान का संचार हुआ है। उत्तर प्रदेश सरकार ने अंत्योदय के संकल्प को धरातल पर चरितार्थ करने के लिए आवास योजना के संचालन में सुशासन और आधुनिक तकनीक को अनिवार्य रूप से समाहित किया है। योजना के अंतर्गत बिचौलियों की भूमिका को पूरी तरह समाप्त कर संपूर्ण वित्तीय प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है। सामाजिक, आर्थिक एवं जाति जनगणना के आंकड़ो तथा ;च्ध्डैद्ध पोर्टल के माध्यम से पात्र परिवारों की निष्पक्ष पहचान सुनिश्चित की गई है। वित्तीय अनुदान की धनराशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (क्ठज्) और पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (च्थ्डै) के माध्यम से बिना किसी अवरोध के सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। प्रशासनिक स्तर पर योजना की प्रामाणिकता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए डिजिटल निगरानी प्रण ाली लागू की गई है। 'आवाससॉफ्ट' और 'आवास ऐप' के माध्यम से निर्माण कार्य के विभिन्न चरणों की अनिवार्य जियो-टैगिंग (भू-अंकन) की जाती है। निर्माण स्थल के प्रारंभिक सत्यापन, नींव (प्लिंथ), छत (लिंटल) और निर्माण पूर्ण होने के प्रत्येक चरण पर बहुस्तरीय डिजिटल सत्यापन के बाद ही निर्धारित किस्तों का भुगतान सीधे ख् ाते में भेजा जाता है। इस सुदृढ़ व्यवस्थ् ा ने निर्माण प्रक्रिया मे ं वित्तीय शुचिता और गतिशीलता दोनों को स्थापित किया है। इस योजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता विभिन्न विभागों का अभिसरण (कन्वर्जेंस) मॉडल है। प्रदेश सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि आवास केवल चार दीवारों तक सीमित न रहे, बल्कि वह जीवन की सभी अनिवार्य सुविधाओं से युक्त हो। इसके तहत स्वच्छ भारत मिशन के सहयोग से शौचालय निर्माण, मनरेगा के अंतर्गत अकुशल श्रम दिवसों का पारिश्रमिक, जल जीवन मिशन से 'हर घर नल से जल', प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन और सौभाग्य योजना से विद्युत संयोजन प्रदान किया जा रहा है। इसके साथ ही, आवासों का स्वामित्व परिवार की महिला मुखिया के नाम अथवा संयुक्त रूप से पंजीकृत कर महिला सशक्तिकरण को मजबूत आधार दिया गया है। नीतियों के इसी प्रभावी और संवेदनशील क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष उदाहरण जनपद प्रतापगढ़ में देखने को मिल रहा है। जिला प्रश् ासन द्वारा श् ासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनपद के सभी विकास खंडों में निष्पक्ष सर्वेक्षण कराकर वास्तविक रूप से जरूरतमंद परिवारों को योजना से आच्छादित किया जा रहा है। जनपद प्रतापगढ़ के विकास खंड आसपुर देवसरा की ग्राम पंचायत बेहटा का उदाहरण इस योजना की धरातलीय सफलता और मानवीय संवेदनशीलता का सजीव प्रमाण है। ग्राम पंचायत बेहटा की निवासी 39 वर्षीया शीला देवी पत्नी संतोष पाल का परिवार लंबे समय से कच्चे और बेहद जर्जर मकान में रहने को विवश था। परिवार में एक पुत्र और दो पुत्रियां हैं। कच्चे मकान की छत और दीवारें इतनी कमजोर थीं कि सामान्य दिनों में भी दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। विशेष रूप से वर्षा ऋतु में कच्ची छत से पानी टपकने, सीलन और मिट्टी की दीवारों के गिरने का निरंतर भय रहता था। ऐसे असुरक्षित वातावरण में बच्चों का लालन-पालन करना शीला देवी और उनके परिवार के लिए एक अत्यंत कठिन और पीड़ादायक संघर्ष था। जिला प्रश् ासन द्वारा कराई गई पारदर्शी पात्रता जांच के उपरांत शीला देवी का चयन प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत किया गया। मैदानी क्षेत्रों के मानकों के अनुसार उन्हें पक्का आवास निर्माण हेतु कुल 1,20,000 रुपये की वित्तीय सहायता तीन किस्तों में सीधे उनके बैंक खाते में उपलब्ध कराई गई। शासन से प्राप्त आर्थिक सहयोग, मनरेगा मजदूरी और परिवार के परस्पर श्रम से शीला देवी ने अपने पुराने कच्चे मकान के स्थान पर एक मजबूत, सुरक्षित और सुंदर पक्का आवास निर्मित कराया। कन्वर्जेंस नीति के अंतर्गत नए आवास के साथ ही शीला देवी के परिवार को अन्य बुनियादी सुविधाओं से भी परिपूर्ण किया गया। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत व्यक्तिगत शौचालय का निर्माण हुआ, जिससे परिवार की महिलाओं और बच्चों को सामाजिक गरिमा एवं स्वास्थ्य सुरक्षा मिली। इसके साथ ही घर में स्वच्छ पेयजल हेतु नल कनेक्शन तथा उज्ज्वला योजना के तहत घरेलू गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया गया, जिससे धुएं से मुक्ति और समय की बचत संभव हुई। परिवार को नियमित राशन कार्ड और आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख रुपये तक के निःशुल्क इलाज की सुरक्षा भी प्राप्त हो रही है। अपने नए पक्के घर के अनुभव साझा करते हुए शीला देवी बताती हैं कि पक्के मकान ने उनके जीवन की सबसे बड़ी चिंता को सदा के लिए समाप्त कर दिया है। पहले बरसात के दिनो में परिवार रात-रात भर जागकर घर की सुरक्षा को लेकर आशंकित रहता था।



2.34 करोड़ से उपलब्ध कराई जाएगी कंज्यूमेबल्स/ रॉ मैटेरियल सामग्री, बच्चों को गतिविधि आधारित सीखने के मिलेंगे अधिक अवसर

योगी सरकार में 586 पीएम श्री स्कूलों में 'लर्निंग बाय डूइंग' को मिलेगी नई गति

कार्यक्रम

- वर्ष 2024-25 के लिए चयनित 586 उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट पीएम श्री विद्यालयों को मिलेगा लाभ
- प्रत्येक चयनित विद्यालय के लिए ₹40 हजार की धनराशि, सीखने को प्रयोग और गतिविधियों से जोड़ने पर जोर
- कक्षा-कक्ष में 'करके सीखने' की अवधारणा को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक मैटेरियल उपलब्ध कराया जाएगा
- विद्यालय स्तर पर सामग्री के उपयोग, गतिविधियों के अनुश्रवण और अभिलेखीकरण पर रहेगा जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पीएम श्री विद्यालयों में पढ़ाई को किताबों तक सीमित रखने के बजाय प्रयोग, गतिविधियों और प्रत्यक्ष अनुभव से जोड़ने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। वर्ष 2024-25 के लिए चयनित 586 उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट पीएम श्री विद्यालयों में लर्निंग बाय डूइंग को और प्रभावी बनाया जाएगा। इसके लिए विद्यालयों को गतिविधि आधारित शिक्षण में इस्तेमाल होने वाली कंज्यूमेबल्स और रॉ मैटेरियल उपलब्ध



कराया जाएगा। इसके लिए कुल 2 करोड़ 34 लाख 40 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है। प्रत्येक चयनित विद्यालय के लिए अधिकतम 40 हजार रुपये की धनराशि की सीमा निर्धारित की गई है। इससे विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियों और प्रयोगों के संचालन के लिए जरूरी सामग्री उपलब्ध हो सकेगी। लर्निंग बाय डूइंग के तहत विद्यार्थियों को किसी विषय को केवल किताब में पढ़ने के बजाय उसे गतिविधियों, प्रयोगों और प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से समझने का अवसर मिलेगा। इसका उद्देश्य कक्षा में बच्चों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाना और पुस्तकीय ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ना है। विद्यालयों में उपलब्ध कराई जाने वाली कंज्यूमेबल्स और रॉ मैटेरियल का इस्तेमाल विभिन्न गतिविधियों के संचालन में किया जाएगा। इससे विद्यार्थी विषयवस्तु को देखकर, प्रयोग करके और उसमें स्वयं भाग लेकर समझ सकेंगे। गतिविधि आधारित शिक्षण से पढ़ाई को अधिक सहज और रुचिकर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी के निर्देशानुसार चयनित 586 विद्यालयों में लर्निंग बाय डूइंग के लिए आवश्यक सामग्री की खरीद की जाएगी। इसके लिए कुल 2,34,40,000 रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। इस पहल के जरिए विद्यालयों में ऐसे संसाधन उपलब्ध कराने का प्रयास है, जिनके माध्यम से विद्यार्थी कक्षा में सीखी गई विषयवस्तु को वास्तविक गतिविधियों और प्रयोगों से जोड़ सकें। इससे सीखने की प्रक्रिया में बच्चों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर रहेगा। विद्यालयों को उपलब्ध कराई जाने वाली सामग्री का उचित और उद्देश्यपरक इस्तेमाल सुनिश्चित किया जाएगा। गतिविधियों के संचालन के साथ उनके अभिलेखीकरण और अनुश्रवण पर भी ध्यान दिया जाएगा। पूर्व में विद्यालयों में कराई गई लर्निंग बाय डूइंग गतिविधियों से मिले अनुभवों को आगे की गतिविधियों में शामिल करने पर भी जोर दिया गया है। इस तरह विद्यालयों में गतिविधि आधारित शिक्षण को नियमित और प्रभावी बनाने का प्रयास किया जाएगा।

स्ट्रीट लाइट की शिकायतें बेअसर, निजी प्लॉटिंग में तुरंत रोशन हो रहे खंभे

तमसा संकेत, संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। नगर पंचायत मोहनलालगंज में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। आरोप है कि नगर पंचायत में तैनात कुछ स्थानीय आउटसोर्सिंग कर्मचारी उच्चाधिकारियों के निर्देशों को गंभीरता से नहीं लेते और आम लोगों की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरत रहे हैं। क्षेत्र में कई वर्षों से खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को ठीक कराने की मांग के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि आम रास्तों और मोहल्लों में लगे खराब स्ट्रीट लाइट के खंभों पर लाइट लगाने या उन्हें दुरुस्त करने में कर्मचारियों की ओर से लगातार टालमटोल की जाती है। वहीं, निजी प्लॉटिंग में लगे खंभों पर अपेक्षाकृत जल्द लाइट लगा दी जाती है। इससे नगर पंचायत की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

लोगों का कहना है कि सार्वजनिक रास्तों पर अंधेरा होने से रात में आवागमन में परेशानी होती है और सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रहती है।

आरोप यह भी है कि शिकायत मिलने के बाद कर्मचारी मौके पर पहुंचकर खराब लाइट या खंभे की फोटो खींच लेते हैं और इसी के आधार पर अधिकारियों को कार्रवाई किए जाने की जानकारी दे देते हैं, जबकि मौके पर समस्या का वास्तविक समाधान नहीं होता। इससे उच्चाधिकारियों तक जमीनी स्थिति की सही जानकारी नहीं पहुंच पा रही है।

स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत के अधिकारियों से स्ट्रीट लाइट व्यवस्था की स्थलीय जांच कराने, लंबे समय से खराब पड़ी लाइटों को दुरुस्त कराने और शिकायतों के निस्तारण की निगरानी सुनिश्चित करने की मांग की है।

लोगों का कहना है कि कर्मचारियों की मनमानी पर अंकुश लगाकर आमजन की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाना चाहिए।

फास्ट न्यूज

लोकबंधु अस्पताल में गार्ड करेंगे मरीजों का ईसीजी

लखनऊ। लखनऊ के लोकबंधु राजनारायण संयुक्त अस्पताल में गार्ड को मरीजों का ECG करने से जुड़ा आदेश सामने आया है। अस्पताल के CMS की तरफ से 29 सितंबर को जारी आदेश में गार्ड मानवेंद्र सिंह और विमलेश कुमार को ECG कक्ष में उपस्थित होकर प्रशिक्षण लेने और अगले आदेश तक वहां आने वाले मरीजों का ECG करने के निर्देश दिए गए हैं।

करंट लगने से युवक की मौत

लखनऊ। लखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र के हुलास खेड़ा गांव में बुधवार देर रात एक युवक की बिजली के करंट से मौत हो गई। उसका शव अपने घर की छत पर पड़ा मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मृतक 35 वर्षीय सत्रोहन लाल थे, जो मजदूरी कर अपनी 15 साल की बेटी प्रतिज्ञा और 12 साल के बेटे शनि का पालन-पोषण करते थे। उनकी पत्नी चार साल पहले उन्हें छोड़कर चली गई थी।

बुधवार रात सत्रोहन मजदूरी कर घर लौटे और खाना खाकर पिता छोटा के पास सो गए।

स्वामी प्रसाद मौर्य को पुलिस ने रोका

लखनऊ। लखनऊ में अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य गुरुवार को डीजीपी को ज्ञापन देने पुलिस मुख्यालय जा रहे थे। इससे पहले ही गोमतीनगर स्थित पार्टी कार्यालय के पास पुलिस ने उन्हें रोक दिया। पार्टी के मुताबिक, मौर्य सुबह करीब 11 बजे पुलिस मुख्यालय के लिए निकले थे। स्वामी प्रसाद मौर्य के ज्ञापन में प्रदेश की कानून-व्यवस्था से जुड़े आठ मामलों का जिक्र किया गया है।

गांधी जयंती पर विशेष ग्राम सभाओं में होगा वीबी-जी राम जी योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार

ग्राम सभा के माध्यम से ग्रामीणों को वीबी-जी राम जी योजना के प्रावधानों की दी जाएगी जानकारी

- विकसित ग्राम पंचायत प्लान के जरिए गांव की जरूरतों और प्राथमिकताओं पर होगा सामूहिक निर्णय

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। (02अक्टूबर)गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं में वीबी-जी राम जी योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को दिये है। इस अवसर पर विशेष ग्राम सभाएं आयोजित की जाएंगी और पंचायत सचिव द्वारा ग्रामीणों को वार्ता के बिंदु सुनाए जाएंगे। आइये,हम सब मिलकर अपनी ग्राम पंचायत को विकसित, सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दें।सब लोग मिलकर एक विकसित पंचायत और विकसित भारत का संकल्प लें। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में ग्राम्य विकास विभाग ने इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुसार दो अक्टूबर को आयोजित ग्राम सभाओं में वीबी-जी राम जी योजना के प्रमुख प्रावधानों और विकसित ग्राम पंचायत प्लान (वीजीपीपी) पर विशेष चर्चा की जाएगी। इस संबंध में आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग, उत्तर प्रदेश श्री प्रमोद कुमार उपाध्याय ने सभी मुख्य विकास अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किए हैं।

ग्राम सभा बैठकों के दौरान पंचायत सचिव वीबी-जी राम जी अधिनियम के मुख्य बिंदुओं की जानकारी ग्रामीणों के साथ साझा करेंगे। योजना के तहत अब ग्रामीण परिवारों को वर्ष में 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों के रोजगार की गारंटी मिलेगी। इसके अलावा, काम की मांग के 15 दिनों के भीतर रोजगार न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान किया गया है। गाँव की वास्तविक आवश्यकताओं के आधार पर अब 375 प्रकार के स्वीकृत कार्यों का चयन किया जा सकेगा, जिससे गांव में टिकाऊ और उपयोगी परिसंपत्तियों का निर्माण संभव होगा।इसका उद्देश्य है कि रोजगार के साथ-साथ गाँव में ऐसे टिकाऊ और उपयोगी परिसंपत्तियों का निर्माण हो, जिनसे गाँव का विकास और ग्रामीण आजीविका मजबूत हो।375 प्रकार के अनुमेय कार्यों में से गाँव की वास्तविक जरूरत और प्राथमिकता के अनुसार कार्य लिए जा सकेंगे।

मजदूरी का भुगतान आमतौर पर एक सप्ताह के भीतर या अधिकतम 15 दिनों के भीतर किया जाएगा। यदि 15 दिनों के भीतर मजदूरी का भुगतान नहीं होता है, तो प्रावधानों के अनुसार विलंब क्षतिपूर्ति के लिए हकदार होंगे।

लखनऊ यूनिवर्सिटी में मेस बंद करने का आदेश वापस

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कैलाश गर्ल्स हॉस्टल में मेस बंद करने का आदेश वापस ले लिया गया है। गुरुवार को कुलपति प्रो.जेपी सैनी ने हॉस्टल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान छात्राओं ने मेस बंद होने से होने वाली दिक्कतें बताईं। छात्राओं के अनुरोध पर कुलपति ने मेस बंद करने का आदेश वापस लेने के निर्देश दिए। इससे पहले बुधवार को छात्राओं के हंगामा और आधी रात तक चले धरना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने मेस बंद कर मेस संचालक का टेंडर रद्द कर दिया था। साथ ही स्टूडेंट्स को मेस फीस की वापसी के निर्देश दिए थे। इसके बाद गुरुवार को प्रशासनिक अफसरों के साथ कुलपति ने हॉस्टल जाकर स्टूडेंट्स से बातचीत की। कुलपति ने छात्राओं से कहा कि आप लोग मिलकर मेस का शेड्यूल तैयार करें। इसमें नाश्ता, लंच और डिनर की व्यवस्था शामिल करें। छात्राएं मेस में भोजन बनने और सामग्री तैयार होने की प्रक्रिया की सीधे निगरानी करेंगी।

पीजीआई में चेन स्नैचिंग का खुलासा, 11 मुकदमों का आरोपी गिरफ्तार

महिला के गले से चेन झपटकर भागा था स्कूटी सवार, वारदात में प्रयुक्त स्कूटी और चेन बरामद

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। पीजीआई थाना पुलिस ने चेन स्नैचिंग की घटना का खुलासा करते हुए एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से झपटी गई पीली धातु की चेन और वारदात में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ लखनऊ के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट समेत 11 मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस के मुताबिक, राजीव नगर घोसियाना निवासी रंजीत सिंह ने 29 सितंबर को पीजीआई थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि उनकी मां घर के पास टहल रही थीं। इसी दौरान स्कूटी सवार युवक ने झपट्टा मारकर उनके गले से सोने की चेन छीन ली और फरार हो गया।



मामले में पीजीआई थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की।

घटना के खुलासे के लिए पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, मैनुअल जांच और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद ली। जांच के बाद पुलिस टीम ने गुरुवार को मनोज गुप्ता (करीब 50 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी मूल रूप से सआदतगंज क्षेत्र के बिहारीपुर मोहल्ले का रहने वाला है और वर्तमान में खरिका तेलीबाग स्थित स्वरूप नगर में रह रहा था।

पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह लंबे समय से झपटमारी और चोरी की वारदातें करता रहा है। वह सुनसान स्थानों पर राहगीरों को निशाना बनाता था और मौका मिलने पर घरों में चोरी भी करता था। पुलिस के मुताबिक 29 सितंबर को उसने राजीव नगर घोसियाना के पास अकेली टहल रही महिला के गले से चेन झपटी थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमे में बीएनएस की धारा 317(2) की बढ़ोतरी करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ वर्ष 2012 से 2023 तक चोरी, लूट, मारपीट, हत्या के प्रयास और अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में पीजीआई पुलिस टीम ने की।

उप्र में जैन पर्यटन को रफ्तार, फिरोजाबाद के छदामी लाल जैन मंदिर का 80 फीसदी काम पूरा

जैन विरासत को संवार रही योगी सरकार, अक्टूबर में जैन मंदिर का विकास कार्य पूरा होने की उम्मीद

तमसा संकेत, संवाददाता

- 1.28 करोड़ से संवर रहा छदामी लाल जैन मंदिर, बहुउद्देश्यीय सभागार और डॉरमेट्री का काम अंतिम चरण में

लखनऊ/फिरोजाबादः उत्तर प्रदेश में जैन पर्यटन सर्किट को विकसित करने की कवायद तेज हो गई है। इसी क्रम में फिरोजाबाद के ऐतिहासिक छदामी लाल जैन मंदिर में पर्यटन सुविधाओं के विकास का काम तेजी से चल रहा है। 1.28 करोड़ रुपये की परियोजना का करीब 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है। परियोजना अक्टूबर में पूरी होने की उम्मीद है। परियोजना के तहत मंदिर परिसर में बहुउद्देश्यीय सभागार, डॉरमेट्री और म्यूरल वॉल समेत अन्य सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। सभागार और डॉरमेट्री का करीब 85 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, जबकि म्यूरल वॉल का काम 60 फीसद तक पहुंच गया है। इससे श्रद्धालुओं/ पर्यटकों के ठहरने, आयोजन तथा अन्य गतिविधियों की सुविधाएं बढ़ेंगी। फिरोजाबाद के मुख्य जैन चौराहे पर स्थित छदामी लाल जैन मंदिर भव्य स्थापत्य कला और आध्यात्मिक महत्व के लिए देशभर में पहचान रखता है। मंदिर में भगवान बाहुबली की 42 फुट ऊंची विशाल पत्थर की प्रतिमा श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। इसे उत्तर भारत की प्रमुख बाहुबली प्रतिमाओं में शुमार किया जाता है। मंदिर की इसी खासियत को देखने के लिए कई राज्यों से श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। कर्नाटक के कारकल से 42 फुट ऊंची बाहुबली प्रतिमा को फिरोजाबाद लाने की कहानी भी खास है। सेठ छदामी लाल ने विशेष ट्रॉली के जरिए प्रतिमा को तीन महीने में फिरोजाबाद पहुंचवाया था। इस दौरान ट्रॉली ने 64 पहाड़ियों का सफर तय किया। मंदिर के निर्माण में करीब 10 वर्ष लगे और इसे संगमरमर के पत्थरों से तैयार किया गया। वर्ष 1947 में सेठ छदामी लाल ने मंदिर ट्रस्ट की स्थापना की। इसके साथ ही मंदिर के संरक्षण और देखरेख के लिए व्यवस्थित व्यवस्था की नींव पड़ी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि योगी सरकार प्रदेश की समृद्ध जैन विरासत को संरक्षित करने के साथ उसे पर्यटन से जोड़ने पर भी जोर दे रही है। जैन तीर्थ और विरासत स्थल प्रदेश के पर्यटन सर्किट का अहम हिस्सा है। इन स्थलों पर श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित करने के साथ उनकी धार्मिक परंपराओं और स्थापत्य विरासत को सुरक्षित रखा जा रहा है, ताकि देशभर से आने वाले पर्यटक यहां सहजता से पहुंचकर जैन संस्कृति और विरासत से रूबरू हो सकें।'

प्रदेश में शिक्षा, खेल और संस्कृति में बेटियों की प्रतिमा को मिल रहा प्रोत्साहन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश की बेटियों के सपनों को पंख मिलें, उनकी प्रतिभा को सही मंच मिले और आर्थिक परिस्थितियां उनकी राह में बाधा न बनें उत्तर प्रदेश सरकार की नीतियों में इस सोच को लगातार मजबूती दी जा रही है। प्रदेश में बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और उनके सर्वांगीण विकास को लेकर किए जा रहे प्रयासों का असर अब विभिन्न क्षेत्रों में बेटियों की बढ़ती भागीदारी के रूप में दिखाई दे रहा है। महोत्सव में शिक्षा के साथ खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में छात्राओं की सक्रिय भागीदारी ने यह संदेश दिया कि आज की बेटियां किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं। वे पढ़ाई के साथ खेल के मैदान में भी अपनी पहचान बना रही हैं।

> आज का युवा डिजिटल दुनिया का हिस्सा है। शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी इससे प्रभावित हुई है। इंटरनेट आधारित अध्ययन सामग्री ने विद्यार्थियों के सामने अवसरों का दायरा बढ़ाया है, लेकिन डिजिटल संसाधनों तक समान पहुंच अभी भी एक महत्वपूर्ण चुनौती है। अभ्युदय योजना से जुड़े विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर ऑनलाइन अध्ययन, मॉक टेस्ट और डिजिटल सामग्री का उपयोग करने का अवसर मिल सकेगा।

हौसलों की उड़ान में दिखा बेटियों का आत्मविश्वास

प्रदेश की बेटियों में अपार प्रतिभा और आत्मविश्वास है। पढ़ाई के साथ खेलों और सांस्कृतिक गतिविधियों में उनकी रुचि यह प्रमाणित करती है कि वे हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए तैयार हैं। यह आयोजन महज एक सांस्कृतिक या युवा कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि बेटियों की बदलती भूमिका और बढ़ते आत्मविश्वास की तस्वीर भी प्रस्तुत करता है। पारंपरिक खेलों और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। ऐसे मंच पर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें प्रतियोगिता के साथ-साथ टीम भावना, नेतृत्व क्षमता तथा आत्मविश्वास विकसित करने का अवसर देते हैं। बेटियों की प्रतिभा को पहचानना और उसे आगे बढ़ने के लिए अवसर उपलब्ध कराना आज के बेटियों की बड़ी जरूरत है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में सरकार द्वारा शिक्षा सांस्कृतिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन देने की दिशा में किए जा रहे प्रयास इसी व्यापक सोच को आगे बढ़ाते हैं।

शिक्षा से आत्मनिर्भरता की राह

किसी भी समाज में महिलाओं की वास्तविक प्रगति का सबसे मजबूत आधार शिक्षा होती है। शिक्षित बेटी न केवल अपने भविष्य का बेहतर निर्णय ले सकती है, बल्कि परिवार और समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अवसर उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया जा रहा है। इसी दिशा में ''मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना'' महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

अनुकरण : इस अवधि में लखनऊ, गोरखपुर, कानपुर आदि प्राणि उद्यान में 12 वर्ष तथा प्रतिभागी बच्चों को मिलेगा निःशुल्क प्रवेश

'वन्यजीव के संसार' में अपने मनोभाव से रंग भरेंगे उत्तर प्रदेश के बच्चे

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार के निर्देशन में वन विभाग 2 से 8 अक्टूबर तक प्रदेश में वन्यजीव सप्ताह मनाएगा। पूरे सप्ताह भर पर्यावरण संरक्षण/वन्यजीवों पर आधारित मास्क मेकिंग, छद्म आवरण व अनुकरण पर चित्रकला, नुक्कड़ नाटक, फैंसी ड्रेस, फेस पेंटिंग, रंगोली, मेहंदी आदि प्रतियोगिताएं भी होंगी।

इस दौरान उत्तर प्रदेश के बच्चे 'वन्यजीव के संसार' में अपने मनोभाव से रंग भरेंगे। इस अवधि में प्रतिभागी व 12 वर्ष तक के बच्चों का चिड़ियाघर में प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना बरेली में

> योगी सरकार मानव वन्यजीव संघर्ष को न्यूनतम करने के लिए निरंतर प्रयत्न कर रही है। वन्य जीवों के बढ़ते हमलों से बचाव को लेकर सरकार स्कूली बच्चों को भी जागरूक करेगी। इस निमित्त वन विभाग की ओर से प्रदेश भर में दो से आठ अक्टूबर तक 'वन्य प्राणि सप्ताह' का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान एक तरफ जहां स्कूली छात्रों को जागरूक किया जाएगा, वहीं दूसरी तरफ राज्य पक्षी सारस, राज्य वन्य पशु बारहसिंघा, राष्ट्रीय जलीव जीव डॉल्फिन, सर्प आदि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए अनेक कार्यक्रम किए जाएंगे।

'वाकथॉन फॉर वाइल्डलाइफ' (Walkathon for Wildlife) के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे।

इसका मुख्य उद्देश्य आम जनता को वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और पशु कल्याण के प्रति जागरूक करना है।

लखनऊ, गोरखपुर, कानपुर आदि प्राणि उद्यान में विद्यार्थियों को मिलेगा निःशुल्क प्रवेश अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक रामकुमार ने बताया कि दो अक्टूबर से आठ अक्टूबर तक चलने वाले वन्य प्राणि सप्ताह के अंतर्गत

राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लखनऊ चिड़ियाघर में होगा शुभारंभ, अनेक प्रतियोगिताएं भी होंगी

नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान के निदेशक संजय कुमार विश्वाल ने बताया कि दो अक्टूबर को सारस प्रेक्षागृह में वन्य प्राणि सप्ताह का शुभारंभ होगा। 3 अक्टूबर से कक्षा 6 से 8, कक्षा 9-10 व 11-12 (तीन वर्गों) में विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताएं प्रारंभ होंगी। 3 अक्टूबर को बारादरी प्राणि उद्यान में वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण पर आधारित मास्क मेकिंग प्रतियोगिता, डकपांड विजिटर शेड प्राणि उद्यान में वन्यजीवों के छद्म आवरण व अनुकरण पर चित्रकला होगी। 4 अक्टूबर को प्राणि उद्यान के बारादरी में 'यदि वन्यजीव बोल पाते तो...' विषयक नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता होगी। हर विद्यालय की टीम में 10 प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे। 5 अक्टूबर को सारस प्रेक्षागृह में वन्य जीव व पर्यावरण संरक्षण पर वाइल्ड लाइफ फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता होगी। 6 अक्टूबर को फेस पेंटिंग, 7 अक्टूबर को झूला पार्क में वन्यजीव व पर्यावरण संरक्षण पर रंगोली व मेहंदी प्रतियोगिता होगी। विजेताओं को 8 अक्टूबर को पुरस्कृत किया जाएगा।

जनपद व तहसील स्तर पर विद्यालयों में वन्य प्राणि व उनके संरक्षण को लेकर अनेक कार्यक्रम होंगे। वन्यजीव व पर्यावरण संरक्षण को लेकर स्कूली बच्चों की अनेक प्रतियोगिताएं भी कराई जाएंगी।

योगी सरकार के निर्देश पर लखनऊ, गोरखपुर, कानपुर आदि प्राणि उद्यान में 12 वर्ष तक के स्कूली बच्चों को निःशुल्क प्रवेश भी मिलेगा।

बच्चों को स्कूली यूनिफॉर्म में परिचय पत्र के साथ आना होगा।

अदम्य साहस व कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया सीएम योगी ने

वीरता पदक से अलंकृत किया पुलिसकर्मियों को, शहीद निरीक्षक सुनील कुमार की पत्नी को किया सम्मानित





तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ, 1अक्टूबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अदम्य साहस, शौर्य और कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मियों को वीरता पदक प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया।

गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर घोषित वीरता पदक

1. देवदत्त सिंह - आरक्षी, नागरिक पुलिस, एसटीएफ
2. राजन कुमार - आरक्षी, नागरिक पुलिस, एसटीएफ
3. रितुल कुमार वर्मा - आरक्षी, नागरिक पुलिस, एसटीएफ
4. निपुण अग्रवाल, आईपीएस - सेनानायक, नवमी वाहिनी पीएसी, मुरादाबाद
5. स्वतंत्र कुमार सिंह - अपर पुलिस उपायुक्त, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर
6. मुन्ने सिंह - उपनिरीक्षक, नागरिक पुलिस, मेरठ
7. नीरज कुमार पाल - आरक्षी, नागरिक पुलिस, कमिश्नरेट गाजियाबाद
8. अशोक कुमार मीणा, आईपीएस - पुलिस अधीक्षक, हरदोई
9. कुलदीप कुमार - पुलिस उपाधीक्षक, जनपद संभल
10. गीतेश कपिल - निरीक्षक, नागरिक पुलिस, शाहजहांपुर
11. प्रवीण अहलावत - आरक्षी, नागरिक पुलिस, जनपद सहारनपुर
12. अमित - निरीक्षक, नागरिक पुलिस, एसटीएफ
13. अंगद सिंह यादव - उपनिरीक्षक, नागरिक पुलिस, एसटीएफ
14. डॉ. दीक्षा शर्मा - पुलिस उपायुक्त, कमिश्नरेट लखनऊ
15. संदीप कुमार - आरक्षी, नागरिक पुलिस, कमिश्नरेट गाजियाबाद
16. रिपुदमन सिंह - निरीक्षक, नागरिक पुलिस

गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर घोषित वीरता पदक

1. धर्मेंद्र सिंह राठौर - निरीक्षक, नागरिक पुलिस, बुलंदशहर
2. केशव शांडिल्य - उपनिरीक्षक, एसटीएफ
3. राहुल कुमार - मुख्य आरक्षी, नागरिक पुलिस, एसटीएफ
4. अजय कुमार वर्मा - उपनिरीक्षक, नागरिक पुलिस, जनपद मथुरा
5. घनश्याम यादव - निरीक्षक, नागरिक पुलिस, एसटीएफ
6. अवनीश कुमार त्यागी - उपनिरीक्षक, नागरिक पुलिस, जनपद मैनपुरी
7. अमित त्रिपाठी - आरक्षी, नागरिक पुलिस, एसटीएफ
8. अमित - निरीक्षक, नागरिक पुलिस, एसटीएफ
9. मनीष बिष्ट - निरीक्षक, नागरिक पुलिस, कमिश्नरेट गाजियाबाद
10. रणधीर सिंह - मुख्य आरक्षी, नागरिक पुलिस, एसटीएफ

आगरा नगर निगम में किन्नर ने काटा हंगामा

कर्मचारी से कहा- जनता को पागल समझते हो, अधिकारी को बुलाने पर अड़े

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा नगर निगम कार्यालय में गुरुवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब किसी काम को लेकर पहुंची एक किन्नर ने एक कर्मचारी को घेरकर हंगामा शुरू कर दिया।

किन्नर ने कर्मचारी पर जनता के काम नहीं करने का आरोप लगाते हुए उसे जमकर खरी-खोटी सुनाई।

देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि कार्यालय में मौजूद कर्मचारी और अन्य लोग मौके पर जुट गए। किन्नर कर्मचारी को जमीन पर बैठाने की जिद पर भी अड़ गई।

वहां मौजूद कुछ लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराने की कोशिश की, लेकिन किन्नर अपनी बात पर अड़ी रही।



विरोध जताते हुए उसने अपना दुपट्टा भी उतारकर फेंक दिया। इसके बाद वह जोर-जोर से बोलते हुए नगर निगम के कर्मचारियों पर जनता के काम नहीं करने का आरोप लगाने लगी।

वरिष्ठ अधिकारी को बुलाने की जिद

मामला बढ़ने के बाद किन्नर ने मौके पर किसी वरिष्ठ अधिकारी को बुलाने की मांग शुरू कर दी। वह अधिकारी के सामने अपनी शिकायत रखने की बात कहती रही। करीब 20 मिनट तक नगर निगम कार्यालय में हंगामे की स्थिति बनी रही। इस दौरान कार्यालय के कर्मचारियों के अलावा आसपास मौजूद लोग भी वहां पहुंच गए। भीड़ बढ़ने से कुछ देर के लिए कार्यालय परिसर में काफी गहमागहमी रही। लोग पूरे घटनाक्रम को देखते रहे और कुछ लोग मामले को शांत कराने का प्रयास करते नजर आए।

वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला

हंगामे के दौरान वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने मोबाइल फोन से पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया। इसमें किन्नर कर्मचारी से बहस करते हुए और अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए दिखाई दे रही है। वीडियो में कार्यालय के आसपास लोगों की भीड़ भी नजर आ रही है। घटना के बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद नगर निगम कार्यालय में हुए हंगामे को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। किन्नर के लगातार हंगामा करने के कारण नगर निगम के ग्राउंड फ्लोर पर काफी संख्या में कर्मचारी और अन्य लोग जमा हो गए थे। करीब 20 मिनट तक चले घटनाक्रम के दौरान लोगों का ध्यान इसी तरफ बना रहा। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के अनुसार घटना के दौरान किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।



कार्यालय पहुंचते ही कर्मचारी को घेरा

घटना गुरुवार दोपहर करीब दो बजे की बताई जा रही है। किन्नर किसी व्यक्ति के साथ नगर निगम कार्यालय पहुंची थी। ग्राउंड फ्लोर स्थित कार्यालय में प्रवेश करते ही उसने वहां मौजूद एक कर्मचारी को घेर लिया। किन्नर ने कर्मचारी से सवाल किया कि जनता अपने काम के लिए नगर निगम आती है, लेकिन उसके काम क्यों नहीं किए जा रहे हैं। कर्मचारी की ओर से कुछ जवाब देने का प्रयास किया गया, लेकिन किन्नर लगातार अपनी बात कहती रही। इसी दौरान उसने जोर-जोर से तालियां बजानी शुरू कर दीं। उसकी आवाज सुनकर आसपास मौजूद कर्मचारी और कार्यालय में आए लोग भी वहां एकत्रित होने लगे।

आईपीईसी में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सहयोग से रोपे पौधे

तमसा संकेत, संवाददाता

गाजियाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपीईसी) में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सहयोग से आयोजित अभियान में कॉलेज के शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के एजीएम फाइनेंस राजेन्द्रन श्रीनिवास, सीनियर डीजीएम क्यूएस सुभाष नायक, आईपीईसी के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, निदेशक आकांक्षा अग्रवाल, आईसीएआई के वाइस प्रेसिडेंट मनोज कुमार आनंद, सीएमए शिवम शर्मा, कैंपस डायरेक्टर प्रो. (डॉ.) डीके शर्मा और डीन एकेडमिक्स प्रो. (डॉ.) अमित जैन ने पौधारोपण कर किया। इस दौरान भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के अन्य प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। अभियान के तहत कॉलेज परिसर के विभिन्न निर्धारित क्षेत्रों में देशज प्रजातियों के पौधे लगाए गए। विभागाध्यक्षों, फैकल्टी सदस्यों, संस्थागत कर्मचारियों और इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों ने पौधारोपण के साथ पौधों के संरक्षण और देखभाल का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी या संस्थागत जिम्मेदारी नहीं।



फास्ट न्यूज

अचल मंदिर में स्वागत कार्यक्रम पर सियासी घमासान

अलीगढ़। अलीगढ़ के अचल ताल स्थित अचलेश्वर महादेव मंदिर में 22 सितंबर को हुआ भाजपा का एक स्वागत कार्यक्रम अब सियासी घमासान में बदल गया है। भाजपा नेताओं के स्वागत से शुरू हुई कहानी मंदिर में दूसरे समुदाय के कुछ लोगों के पहुंचने के फोटो-वीडियो से होते हुए सोशल मीडिया पर आरोप-प्रत्यारोप और फिर 'शुद्धीकरण' की मांग तक पहुंच गई।

गार्ड ने संविदा कर्मी को गोली मारी

मथुरा। मथुरा के कृष्णा नगर बिजली घर पर तैनात सुरक्षा कर्मी और कर्मचारी में हुए आपसी विवाद के बाद गोली चल गई। सुरक्षा कर्मी द्वारा चलाई गई गोली से संविदा कर्मी घायल हो गया। जिसके बाद घायल अवस्था में उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर आगरा के लिए रेफर कर दिया। शहर कोतवाली इलाके के कृष्णा नगर क्षेत्र स्थित बिजली घर पर बुधवार की देर रात वहां तैनात सुरक्षा कर्मी नेत्रपाल और संविदा पर तैनात विद्युत कर्मी दीपक में विवाद हो गया।

मोबाइल खोने के बाद एकाउंट से 2.05 लाख रुपए निकले

अलीगढ़। अलीगढ़ के महुआखेड़ा क्षेत्र में मोबाइल गिरना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। मोबाइल खोने के बाद अज्ञात व्यक्ति ने उसके बैंक खाते में UPI सक्रिय कर दिया और सात दिन में 2 लाख 5 हजार 728 रुपए निकाल लिए। पीड़ित का कहना है कि उसने कभी मोबाइल से UPI के जरिए लेनदेन नहीं किया और उसके पास ATM कार्ड भी नहीं है।

चारपाई पर सो रहे हिस्ट्रीशीटर की हत्या

धारदार हथियार से सिर पर हमला, खेत में खून से लथपथ मिला शव

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के थाना फतेहाबाद क्षेत्र के कछपुरा गांव में बुधवार रात खेत पर चारपाई पर सो रहे हिस्ट्रीशीटर प्रेमवीर (35) की अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी। हमलावरों ने उसके सिर पर धारदार हथियार से वार किया।

गुरुवार सुबह खेत में खून से लथपथ शव मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। कछपुरा निवासी प्रेमवीर पुत्र राजवीर सिंह बुधवार शाम रोज की तरह खेत पर गया था।

उसने नीम के पेड़ के नीचे चारपाई डाली और वहीं सो गया। रात में अज्ञात हमलावरों ने उस पर हमला कर दिया। हमले में सिर पर गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। सुबह तक शव चारपाई पर ही पड़ा रहा। गुरुवार सुबह करीब 5:30 बजे गांव का लालाराम खेत में पालेज करने पहुंचा था। शौच के लिए जाते समय उसने प्रेमवीर को आवाज लगाई। जवाब नहीं मिलने पर वह चारपाई के पास पहुंचा तो प्रेमवीर खून से लथपथ पड़ा था। लालाराम ने शोर मचाकर ग्रामीणों को बुलाया। कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई। हरीर प्राप्त होने पर अन्य पहलुओं पर भी जांच की जा रही है।



सूचना मिलते ही फतेहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ग्रामीणों के अनुसार, प्रेमवीर का आपराधिक इतिहास रहा है और वह कई थानों का हिस्ट्रीशीटर था।

ऐसे में पुरानी रंजिश के चलते हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है।

पुरानी रंजिश और जमीन विवाद समेत कई एंगल पर जांच

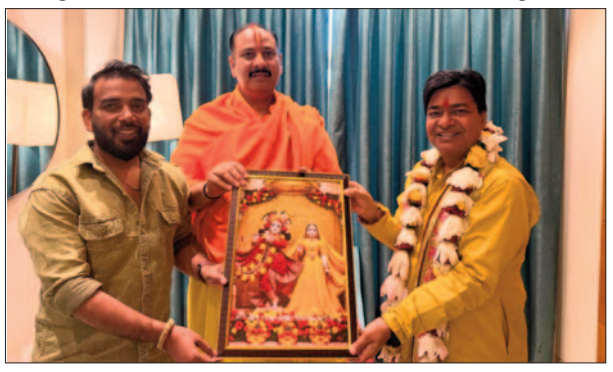
हत्या की जानकारी मिलने के बाद परिवार में कोहराम मचा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुरानी रंजिश, जमीन विवाद समेत अन्य सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। ACP इमरान अहमद ने बताया- आज सुबह लगभग 7 बजे प्रेमवीर पुत्र राजवीर, उम्र करीब 35 वर्ष, के अपने खेत में मृत अवस्था में पड़े होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर तत्काल थाना पुलिस एवं फॉरेंसिक टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य संकलित किए गए तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है। परिजनों द्वारा जमीन संबंधी विवाद के चलते रंजिश में हत्या की आशंका व्यक्त की गई है।

बाबा का आशीर्वाद आपके साथ, मूल गर्भगृह स्थल पर बनेगा भव्य मंदिर : प्रदीप मिश्रा

श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद के मुकदमों और ऐतिहासिक साक्ष्यों पर हुई चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष एवं हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने गुरुवार को कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से विशेष मुलाकात की। उन्होंने पंडित मिश्रा का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया तथा भगवान राधा-कृष्ण की छवि और श्रीमद्भगवद्गीता भेंट की। करीब 30 मिनट चली मुलाकात में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर के इतिहास, मूल गर्भगृह स्थल और न्यायालय में विचाराधीन वादों को लेकर चर्चा हुई। महेंद्र प्रताप सिंह ने हिंदू पक्ष की ओर से किए जा रहे दावों और जुटाए गए ऐतिहासिक दस्तावेजों की जानकारी पंडित मिश्रा को दी। उन्होंने कहा कि मूल गर्भगृह स्थल पर भव्य मंदिर निर्माण और आगरा से भगवान के विग्रह वापस लाने की मांग को लेकर उच्च न्यायालय में दो वाद दायर किए गए हैं। मुकदमों की तैयारी के लिए देश-



विदेश की लाइब्रेरियों से ऐतिहासिक दस्तावेज, पुस्तकें और अन्य सामग्री जुटाकर साक्ष्य तैयार किए गए हैं। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के मूल गर्भगृह स्थल पर भव्य-दिव्य मंदिर का निर्माण अब नहीं हुआ तो फिर कब होगा। उन्होंने कहा कि श्री शिव बाबा के आशीर्वाद से मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने महेंद्र प्रताप सिंह को आंदोलन में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के बैनर तले होने वाले बड़े आयोजन में समय मिला तो वह शामिल होंगे। पंडित मिश्रा ने कहा कि सनातन की रक्षा के लिए एकजुट होने की आवश्यकता है। कथाओं के माध्यम से इसका संदेश दिया जा रहा है और श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति का विषय भी भक्तों तक पहुंचाया जाएगा।

सेवा संकल्प अभियान के सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ

स्वास्थ्य जांच के साथ योजनाओं की दी जानकारी, मौके पर लिए आवेदन

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव। सेवा संकल्प अभियान के तहत विकासखंड बलदेव में सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से आमजन का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्ध सेवाओं की जानकारी दी। खण्ड विकास अधिकारी नेहा रावत ने शिविर का निरीक्षण करते हुए विभागीय स्टॉलों पर उपलब्ध सेवाओं की जानकारी ली। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष भाजपा अनिल चौधरी, मंडल अध्यक्ष नरेन्द्र गोयल, मीडिया प्रभारी नारायण पाण्डेय, बाबलू सोनी, चेतन उपाध्याय समेत जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता मौजूद रहे। शिविर में एडीओ आरडी प्रेम सिंह, एडीओ पंचायत मुकेश कुमार, अकाउंटेंट अब्दुल, एबीएसए गिर्राज सिंह, एमओआईसी वीरेन्द्र सिसोदिया तथा ग्राम पंचायत सचिव उपस्थित रहे। ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं की पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ जरूरत के अनुसार मौके पर आवेदन भी कराए गए। अधिकारियों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य सरकारी योजनाओं और सेवाओं को आमजन तक पहुंचाना तथा उनकी समस्याओं का मौके पर यथासंभव समाधान और मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।



कमिश्नर ने उसके खिलाफ जांच के आदेश दिए थे, अपने पक्ष में आख्या लगा दी

मुरादाबाद में आरोपी लेखपाल ने खुद को क्लीन चिट दी

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में सरकारी जमीन कब्जा कराने के आरोपी लेखपाल ने अपने खिलाफ जांच में खुद आख्या लगाकर क्लीनचिट ले ली। कमिश्नर संगीता सिंह ने ग्रामीणों की शिकायत पर जांच और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। लेकिन डीएम और एसडीएम के स्तर से मार्क होने के बाद शिकायत आखिरकार उसी लेखपाल जितेंद्र सिंह के पास पहुंच गई, जिसके खिलाफ ग्रामीणों ने आरोप लगाए थे। लेखपाल ने 23 सितंबर को अपनी जांच आख्या लगाई। इसमें लिखा कि ग्राम समाज की जमीन से कब्जा हटवा दिया गया है। इसके बाद शिकायत को बंद कर दिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि लेखपाल ने जिस स्थान की तस्वीरें अपनी रिपोर्ट में लगाई हैं, वह शिकायत में बताए गए स्थान से अलग है। इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि के लिए उच्च स्तर से जांच की जरूरत है। मामला सदर तहसील के गांव रसूलपुर नगला खेम का है। ग्रामीणों ने शिकायत में हलके के लेखपाल जितेंद्र सिंह पर ग्राम समाज की जमीन पर कब्जा कराने का आरोप लगाया था। शिकायतकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया था कि जमीन पर बिल्डिंग का निर्माण कराया गया है। ग्रामीणों ने करीब 15 दिन पहले मामले की शिकायत कमिश्नर संगीता सिंह से की थी। कमिश्नर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए डीएम मुरादाबाद को जांच कराकर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। मामले में सबसे बड़ा सवाल जांच की प्रक्रिया को लेकर उठ रहा है। कमिश्नर कार्यालय से शिकायत डीएम के पास पहुंची। डीएम ने इसे एसडीएम सदर को मार्क किया। इसके बाद एसडीएम स्तर से शिकायत जांच के लिए संबंधित लेखपाल जितेंद्र सिंह के पास भेज दी गई।



23 सितंबर की आख्या में लिखा- कब्जा हटवा दिया



लेखपाल जितेंद्र सिंह ने 23 सितंबर को अपनी जांच आख्या लगाई। इसमें कहा गया कि ग्राम समाज की जमीन से कब्जा हटवा दिया गया है। इसी आधार पर शिकायत को बंद कर दिया गया। हालांकि शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि रिपोर्ट के साथ लगाई गई तस्वीरें उस स्थान की नहीं हैं, जहां उन्होंने कब्जे की शिकायत की थी। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि शिकायत में बताए गए स्थान की मौके पर जांच किस अधिकारी ने की और कब्जा हटाने की स्थिति का सत्यापन कैसे हुआ।

पृष्ठ 01 का शेष...

बिना होमवर्क पूर्व ...

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम के दौरान अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद के एक प्रसंग का जिक्र करते हुए अधिकारियों को पूरी तैयारी के साथ काम करने की नसीहत दी। उन्होंने बताया कि एक दिन रात करीब 10 बजे उन्होंने अचानक अपर मुख्य सचिव गृह से पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह की पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम के बारे में जानकारी मांगी। योगी के मुताबिक, संजय प्रसाद ने कार्यक्रम की जानकारी लेने के लिए रात में ही प्रकाश सिंह को फोन कर दिया। मुख्यमंत्री ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि करीब 90 वर्ष की उम्र के व्यक्ति को रात 10 बजे फोन क्यों किया जा रहा है। हालांकि प्रकाश सिंह ने फोन रिसीव कर लिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रकाश सिंह ने कार्यक्रम को लेकर कुछ सवाल किए, जिसके जवाब में यहां से 10 सवाल सामने आ गए। उस समय अपर मुख्य सचिव गृह उन सवालों का जवाब नहीं दे पाए। इस पर उन्होंने कहा कि 'होमवर्क' करके बात किया करो। योगी ने कहा कि उन्होंने केवल कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में पूछा था। इस पर संजय प्रसाद ने बताया कि उन्हें लगा था कि शायद प्रकाश सिंह आराम कर रहे होंगे, इसलिए औपचारिकता के तौर पर फोन कर दिया जाए। मुख्यमंत्री ने इसी प्रसंग के जरिए अधिकारियों को औपचारिकता से बचने और किसी भी कार्यक्रम से पहले पूरी तैयारी करने की सलाह दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जब केवल औपचारिकता निभाने के लिए काम करते हैं तो कई बार उन्हें सवालों के सामने मुश्किल स्थिति का सामना करना पड़ता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि औपचारिकता की रस्में खत्म कर पूरी तैयारी के साथ कार्यक्रम किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में क्या होगा, किस तरह आयोजित किया जाएगा और कौन-कौन लोग शामिल होंगे, इसकी जानकारी पहले से तैयार रहनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को काम के प्रति गंभीरता और तैयारी पर जोर देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि व्यक्ति जब शॉर्टकट का रास्ता अपनाने का प्रयास करता है तो यह प्रगति के बजाय दुर्गति का कारण बन सकता है। उनके अनुसार इससे व्यक्ति के सामने पहचान का संकट भी खड़ा होता है। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की स्थिति भी एक समय ऐसी थी कि 'यूपी वाला' कहकर लोगों को बाहर कर दिया जाता था। उन्होंने 2017 से पहले की प्रदेश की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि अब परिस्थितियों में बदलाव आया है। यह मुख्यमंत्री का राजनीतिक और प्रशासनिक आकलन है। कार्यक्रम में पुलिस सेवा के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद इंस्पेक्टर सुनील कुमार की पत्नी मुनेश देवी को भी सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने शहीद पुलिसकर्मियों के योगदान को याद करते हुए उनके परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार एसटीएफ इंस्पेक्टर सुनील कुमार को शामली के झिंझाना क्षेत्र में जनवरी 2025 की मुठभेड़ के दौरान अदम्य साहस दिखाने के लिए मरणोपरांत सम्मान मिला था। कार्यक्रम में पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह की पुस्तक 'संघर्ष' का विमोचन किया गया। पुस्तक में पुलिस सेवा के अनुभवों, चुनौतियों और पुलिस सुधार से जुड़े विषयों को सामने रखा गया है। प्रकाश सिंह ने विभिन्न राज्यों में पुलिस सेवा की है और पुलिस सुधारों को लेकर लंबे समय से काम किया है।

टीएमसी के बैंक ...

इसके बाद पार्टी के 58 विधायकों ने ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में अलग गुट बना लिया था। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट एएम सिंहवी ने कहा कि बैंक खातों को फ्रीज करना पार्टी की राजनीतिक गतिविधियों को रोकने की कोशिश है। इससे पार्टी की गतिविधियां ठप्प हो गई हैं। उन्होंने कहा कि आगामी उपचुनावों आदि को देखते हुए पार्टी के खर्चों के लिए हर महीने कम से कम 12.15 करोड़ रुपए की आवश्यकता है। टीएमसी जैसी बड़ी पार्टी की राजनीतिक गतिविधियों के लिए यह न्यूनतम राशि है। इसलिए इन अकाउंट्स को अनफ्रीज किया जाए। टीएमसी ने बीते 27 अगस्त को कलकत्ता हाईकोर्ट से पश्चिम बंगाल पुलिस की तरफ से बैंकों में फ्रीज किए गए अपने चार खातों को चलाने की अनुमति मांगी थी। पार्टी का तर्क था कि इन खातों को फ्रीज करने से जुड़ी एफआईआर (FIR) में प्रक्रियागत कमियां थीं। लेकिन, हाईकोर्ट ने इन खातों को अनफ्रीज करने से मना कर दिया था। टीएमसी के इन चार बैंक अकाउंट्स में 804 करोड़ रुपए जमा हैं। अदालत का मानना था कि ऐसी राहत देने से उसका वह पिछला आदेश कमजोर हो जाता, जिसमें पार्टी को केवल अपने रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने की छूट दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम इस मामले में अनुच्छेद 136 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करने के पक्ष में नहीं हैं। हम कलकत्ता हाईकोर्ट से अनुरोध करते हैं कि वह इस मामले की सुनवाई में तेजी लाए। दूसरी ओर, प्रवर्तन निदेशालय (ED) इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रहा है। ईडी (ED) का आरोप है कि कोलकाता स्थित 'केयरवेल एविएशन' के जरिए 160 करोड़ रुपये के पार्टी फंड की हेराफेरी की गई है। इसी जांच के तहत ईडी ने एचडीएफसी बैंक में टीएमसी के तीन खातों में मौजूद 440 करोड़ रुपए फ्रीज किए हैं। TMC की तरफ से कोर्ट में मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि 9 जुलाई के आदेश के तहत करीब 200 कर्मचारियों की सैलरी और पार्टी के कुछ कार्यालयों का किराया दिया जा रहा है। 18 जून को बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि TMC के एक निजी बैंक में मौजूद तीन खाते अपराध की कमाई रखने के लिए इस्तेमाल किए गए हैं। FIR दर्ज होने के अगले ही दिन इन खातों से डेबिट लेनदेन पर रोक लगा दी गई। यह शिकायत TMC के बागी गुट के नेताओं, विधायक ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा की ओर से की गई थी। यही शिकायत बैंक खातों के फ्रीज होने का आधार बनी।

पिकनिक मनाने गए...

उन्होंने कहा कि आठ छात्र समुद्र में चले गए और पानी की गहराई और बहाव का अंदाजा न लगा पाने के कारण बह गए। सूचना मिलने के बाद रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंची और शवों को बरामद किया।

'सरकार बनने पर...

उन्होंने कहा कि जिस काल में पीडीए यानी पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग पर अत्याचार होगा, वह दौर उनके लिए आपातकाल जैसा ही माना जाएगा। उन्होंने महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। अखिलेश ने आरोप लगाया कि आज भी जनता इन समस्याओं से परेशान है और आने वाले समय में इन मुद्दों को लेकर समाजवादी पार्टी जनता के बीच जाएगी। अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा यदि चुनाव में माइक्रोस्कोप से भी मैनेजमेंट करेगी, तब भी वह हार जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा चाहे नौ प्रत्याशी उतारे या दस, वह चुनाव हारने जा रही है। हालांकि ये बातें अखिलेश यादव का राजनीतिक दावा हैं। उन्होंने कहा कि जो भी दल या व्यक्ति भाजपा को हराने के लिए साथ आना चाहता है, उसका स्वागत है। अखिलेश ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी अपने मुद्दों के साथ जनता के बीच जाएगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अखिलेश यादव से प्रधानमंत्री पद को लेकर भी सवाल किया गया। इस पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, "अभी यूपी में ही रहने दो, आपस में झगड़ा मत कराओ।" उनके इस बयान को राहुल गांधी के संदर्भ में देखा गया, क्योंकि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस विपक्षी गठबंधन का हिस्सा हैं। अखिलेश ने इस सवाल को ज्यादा तूल न देते हुए अपना राजनीतिक फोकस उत्तर प्रदेश की राजनीति और 2027 के विधानसभा चुनाव पर ही रखा। सुभासपा प्रमुख और मंत्री ओम प्रकाश राजभर की ओर से समाजवादी पार्टी पर लगातार किए जा रहे हमलों को लेकर भी अखिलेश यादव से सवाल किया गया।

भारत-पाकिस्तान में होगा एशियन गेम्स फाइनल

टीम इंडिया ने श्रीलंका को 124 रन से हराया, ईशान की फिफ्टी, वैभव ने 38 रन बनाए

मुकाबला

निशिन, एजेंसी

भारत ने श्रीलंका को 124 रन से हराकर एशियन गेम्स के फाइनल में जगह बना ली है। अब गोल्ड के लिए भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। यह पहला मौका है जब ये दोनों टीमें एशियन गेम्स में क्रिकेट मुकाबले में आमने-सामने होंगी। भारत ने जापान के निशिन में खेले गए सेमीफाइनल में पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 169 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम 9.5 ओवर में 45 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका के 6 बल्लेबाज खाता नहीं खोल सके। जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और अभिषेक शर्मा ने 2-2 विकेट झटके। 3 बल्लेबाज रनआउट हुए। ईशान किशन ने नाबाद 80 रन की पारी खेली। वैभव सूर्यवंशी ने भी 21 गेंदों पर 38 रन बनाए। 7वें ओवर में वानुजा सहान 8 गेंदों पर 1 रन बनाकर आउट हो गए। वॉशिंगटन सुंदर की फ्लाइटेड गेंद पर उन्होंने रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद दस्ताने से लगकर फर्स्ट स्लिप की ओर गई। अभिषेक शर्मा ने बाईं ओर जाकर आसान कैच पकड़ा। यह श्रीलंका का सातवां विकेट है। 5वें ओवर में नुवानिडु फर्नांडो 11 गेंदों पर 15 रन बनाकर रन आउट हो गए। उन्होंने 2 छक्के लगाए। वॉशिंगटन सुंदर की गेंद पर रन लेने की कोशिश में अक्षर पटेल और संजू सैमसन की शानदार फील्डिंग के चलते फर्नांडो क्रीज से बाहर रह गए। यह श्रीलंका का छठा विकेट है। 4 ओवर के बाद श्रीलंका का स्कोर 18/5 है। अक्षर पटेल ने चौथे ओवर में 2 विकेट लेकर श्रीलंका की मुश्किलें बढ़ा दीं। 3.1 ओवर में अक्षर ने कप्तान सहान अराचिगे को 9 रन पर आउट किया। इसके बाद 3.4 ओवर में अशेन बंडारा बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। बंडारा का कैच वॉशिंगटन सुंदर ने डीप मिडविकेट पर पकड़ा। अक्षर के 2 ओवर में 6 रन देकर 2 विकेट हैं।





10वें ओवर में लगातार तीन विकेट गिरे, श्रीलंका 45 पर ऑलआउट

10वें ओवर में श्रीलंका की पारी 45 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने यह मुकाबला 134 रन से जीत लिया है। 10वें ओवर में भारत ने लगातार तीन विकेट लिए। 9.3 पर तिलक वर्मा ने थारिंदु रत्नायके को 5 रन पर रन आउट किया। 9.4 पर अभिषेक शर्मा ने चमिका करुणारत्ने को 4 रन पर स्टंपिंग कराया, जबकि अगली गेंद पर बिनुरा फर्नांडो को बोल्ड कर दिया। यह अभिषेक का दूसरा विकेट रहा। 9वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने 5 रन दिए। उन्होंने शुरुआत की 5 बॉल पर एक रन ही खर्च किया था। लेकिन, थारिंदु रत्नायके ने ओवर की आखिरी बॉल पर चौका लगा दिया।



जीत सेलिब्रेट करते अभिषेक और तिलक। (फोटो- BCCI)

पाकिस्तान ने बांग्लादेश से जीता 13-13 ओवर का मैच

पाकिस्तान ने मेंस क्रिकेट के सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया। यह मैच बारिश से प्रभावित हुआ। इसे 13-13 ओवर का कर दिया गया था। बांग्लादेश ने पहले बैटिंग करते हुए 7 विकेट पर 111 रन बनाए। पाकिस्तान ने 11.3 ओवर में 4 विकेट पर जीत हासिल कर ली। श्रीलंकाई पारी के 8वें ओवर में रवि बिश्नोई ने 5 रन दिए। उन्हें इस ओवर में कोई विकेट नहीं मिला है। बिश्नोई ने इस ओवर में 2 वाइड बॉल डाली।

कोहली आईसीसी वनडे रैंकिंग में दूसरे नंबर पर

वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक का फायदा मिला

नई दिल्ली, एजेंसी

विराट कोहली ICC की वनडे बैटर्स रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में नाबाद 139 रन की पारी खेलने का उन्हें फायदा मिला। कोहली के अब 796 रेटिंग पॉइंट हैं। वे टॉप पर मौजूद भारतीय कप्तान शुभमन गिल से सिर्फ 20 पॉइंट पीछे हैं। रैंकिंग हर हफ्ते बुधवार को जारी की जाती है। 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में खेले गए पहले वनडे में कोहली ने 88 गेंदों पर नाबाद 139 रन बनाए थे।

यह उनका वनडे करियर का 55वां शतक था। इसी पारी के दौरान उन्होंने वनडे क्रिकेट में 15 हजार रन भी पूरे किए। वह सचिन तेंदुलकर के बाद यह आंकड़ा छूने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। भारत ने मुकाबला 8 विकेट से जीता था।

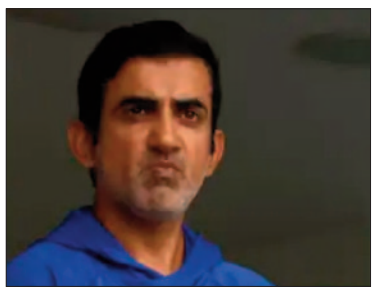


बैटर्स रैंकिंग के टॉप-4 में 3 भारतीय बल्लेबाज शामिल हैं। शुभमन गिल ने भी वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक लगाया था। उन्होंने 110 रन की पारी खेली। इसके बाद गिल 816 रेटिंग पॉइंट के साथ नंबर-1 पर हैं। कोहली दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

कोहली ने न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल को पीछे छोड़। वे 794 पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। भारत के रोहित शर्मा 753 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर हैं। यानी मौजूदा टॉप-4 में भारत के तीन बल्लेबाज शामिल हैं।

गुवाहाटी की पिच पर भड़के भारतीय कोच गौतम गंभीर

कहा- यह क्रिकेट नहीं, बैटिंग है, भारत-विंडीज मैच में 5 शतक लगे



नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर ने गुवाहाटी की पिच को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा, 'यह क्रिकेट नहीं है, यह सिर्फ बैटिंग है।' भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरे वनडे में कुल 811 रन बने। वेस्टइंडीज ने 405/7 रन बनाए। भारत ने शुभमन गिल के नाबाद 223 और रोहित शर्मा के 101 रन की मदद से 43.3 ओवर में 406/2 रन बनाकर टारगेट चेज कर लिया। इसके बावजूद गंभीर ने पिच पर गेंद और बल्ले के बीच बराबरी का मुकाबला नहीं होने पर सवाल उठाए।

गंभीर ने कहा कि गेंदबाजों को सिर्फ उनके आंकड़ों से नहीं आंकना चाहिए। मौजूदा वनडे क्रिकेट में गेंदबाजों के पास पहले ही कम विकल्प हैं। दो नई गेंदें इस्तेमाल होती हैं और 30 यार्ड के घेरे में 5 फील्डर्स रहते हैं। इसके अलावा बल्लेबाजों की पावर-हिटिंग भी बढ़ी है। उन्होंने डेब्यूटेंट आकिब नबी का बचाव किया।

लिस्ट में सबसे युवा खिलाड़ी, 7 एथलीट्स में इकलौते भारतीय

वैभव टाइम मैगजीन के 100 राइजिंग स्टार्स में



नई दिल्ली, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी को टाइम मैगजीन की 2026 की TIME 100 Next लिस्ट में जगह मिली है। वे लिस्ट में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। 15 साल के वैभव को खेल जगत के तेजी से उभरते सितारों यानी राइजिंग स्टार्स की कैटेगरी में रखा गया है। वे लिस्ट में सबसे कम उम्र के सदस्य हैं। यह दुनिया के उभरते सितारों की लिस्ट है, जिसमें अलग-अलग क्षेत्रों में तेजी से पहचान बना रहे लोगों को शामिल किया जाता है। लिस्ट में 7 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। इनमें वैभव एकमात्र क्रिकेटर हैं। अमेरिकी फुटबॉलर आर्चीबाल्ड मैनिंग, NBA खिलाड़ी टाइरिस मैक्सी, फुटबॉलर नाओमी गिरमा और फोलारिन बालोगन, टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा ईला और बास्केटबॉल खिलाड़ी ओलिविया माइल्स भी लिस्ट में शामिल हैं। वैभव ने 2024 में बिहार की ओर से रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया था। तब उनकी उम्र 12 साल थी। वे कम उम्र में फर्स्ट-क्लास क्रिकेट खेलने वाले भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हुए। 2024 में ही राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें IPL ऑक्शन में 1 करोड़ रुपए में खरीदा। तब वे 13 साल के थे। वे IPL ऑक्शन में खरीदे जाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे।



पिछले साल यशस्वी जायसवाल को जगह मिली थी

टाइम मैगजीन ने 2025 में यशस्वी जायसवाल को TIME 100 Next में जगह दी थी। वे उस साल लिस्ट में शामिल इकलौते क्रिकेटर थे। 23 साल के यशस्वी ने सोशल मीडिया पर लिस्ट में शामिल होने पर खुशी जताई थी। उन्होंने लिखा था कि उन्हें इस लिस्ट में शामिल होने पर गर्व है। साथ ही यह उन्हें याद दिलाता है कि अब तक कितनी दूर आया हूं और अभी कितना आगे जाना है। वैभव ने जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वे भारत के लिए खेलने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष क्रिकेटर हैं। वैभव से पहले यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था।

11 गेंदों में लिस्ट-ए फिफ्टी लगाई

जून में कोलंबो में श्रीलंका ए के खिलाफ इंडिया ए की ओर से खेलते हुए वैभव ने 11 गेंदों में अर्धशतक लगाया। यह लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इसके बाद उन्हें दलीप ट्रॉफी में विजेता ईस्ट जोन टीम का उप-कप्तान बनाया गया। वे जापान में चल रहे एशियन गेम्स में भारतीय क्रिकेट टीम का भी हिस्सा हैं।

मनोरंजन

घुटने में चोट लगी, खड़े होने में परेशानी, बैठकर शुरू की होस्टिंग

अमिताभ बच्चन 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट पर फिसले

मुंबई। मिताभ बच्चन 'कौन बनेगा करोड़पति 18' के सेट पर फिसल गए। इससे उनके बाएं घुटने में चोट आई है। हालिया एपिसोड में अमिताभ बच्चन ने इस हादसे की जानकारी दी। अमिताभ आमतौर पर शो की शुरुआत विंग्स से दौड़कर आते हुए और स्टेज के सेंटर में खड़े होकर अपने मोनोलॉग से करते हैं। हालांकि, पैर में दर्द के कारण उन्होंने इस बार बैठकर एपिसोड की शुरुआत की।

उन्होंने दर्शकों से कहा कि चोट गंभीर नहीं है और वे कंटेस्टेंट्स के साथ खड़े होकर ही गेम होस्ट करेंगे।



'कौन बनेगा करोड़पति' का 18वां सीजन दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय है। अमिताभ बच्चन साल 2000 से इस क्विज शो को होस्ट करते आ रहे हैं। केवल तीसरे सीजन को छोड़कर, जिसे शाहरुख खान ने होस्ट किया था।

3-4 घंटे जिंदा रहना भी मुश्किल था, वो दर्द अमिताभ ने 4 दिन झेला

26 जुलाई 1982 को अमिताभ बच्चन फिल्म कुली के लिए एक एक्शन सीक्वेंस शूट कर रहे थे। शॉट की डिमांड के अनुसार पुनीत इस्सर को अमिताभ को मुक्का मारना था और उन्हें टेबल पर जाकर गिरना था। ये काम बॉडी डबल का था, लेकिन अमिताभ ने परफेक्शन के लिए खुद इसे शूट किया।

अमिताभ बच्चन ने शो की शुरुआत में ही अपने फैंस और दर्शकों को इस घटना के बारे में बताया। उन्होंने अपने बाएं घुटने की तरफ इशारा करते हुए कहा कि बीते दिन शूटिंग के समय उनका पैर फिसल गया था। उन्होंने कहा कि आम तौर पर वे सेंटर में खड़े होकर अपनी बात रखते हैं, लेकिन आज खड़े होने में थोड़ी तकलीफ हो रही है।



एक्टर को याद कर अंजन श्रीवास्तव भावुक हुए, प्रेयर मीट से राजपाल यादव को भगाने का दावा गलत

मुश्ताक खान की प्रेयर मीट में पहुंचे सेलेब्स

मुंबई। मुंबई में एक्टर मुश्ताक खान की प्रेयर मीट हुई। प्रेयर मीट में पूनम ढिल्लों, राजपाल यादव, राहुल रॉय, किरण कुमार, अनिल शर्मा समेत बॉलीवुड के कई कलाकार और उनके सहयोगी पहुंचे। वहीं, प्रेयर मीट के दौरान दिग्गज अभिनेता और 'वागले की दुनिया' फेम अंजन श्रीवास्तव मुश्ताक खान को याद करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने मुश्ताक खान की तारीफ करते हुए उन्हें एक 'सुपर डुपर हिट' लीडर बताया।



मुश्ताक खान की प्रेयर मीट से राजपाल यादव का वीडियो वायरल हुआ। जिसको लेकर कुछ पैपराजी पेजेस ने दावा किया कि राजपाल यादव को प्रेयर मीट से निकाल दिया गया वीडियो में एक महिला कहती है कि लगता है कि आपको बाहर भेजना पड़ेगा। मैंने आपको समझाया, लेकिन आप समझ नहीं रहे। हद है, यह समय है सेल्फी लेने का। हालांकि, इस वीडियो की सच्चाई है कि राजपाल यादव को प्रेयर मीट से नहीं निकाला गया।



मुश्ताक खान को श्रद्धांजलि देते हुए पूनम ढिल्लों।



मुश्ताक खान के बेटे मोहसिन के साथ मुकेश ऋषि और राहुल रॉय।

22 साल बाद खत्म होगा 'कॉफी विद करण'

कभी शो में कंगना ने करण को कहा था मूवी माफिया

मुंबई। करण जौहर का मशहूर चैट शो 'कॉफी विद करण' 22 साल के लंबे सफर के बाद बंद होने जा रहा है। शो का 9वां और अंतिम सीजन 14 अक्टूबर से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा। करण जौहर ने शो के अंतिम सीजन की घोषणा की। साल 2004 में शुरू हुए इस शो के अब तक 8 सीजन और 161 एपिसोड हो चुके हैं। आखिरी सीजन की घोषणा करते हुए करण जौहर ने शो के सफर को याद किया। उन्होंने कहा कि कुछ सफर ऐसे होते हैं जिन्हें खत्म करने की योजना नहीं बनाई जाती, लेकिन एक समय ऐसा आता है जब उन्हें आगे बढ़ने देने का फैसला करना पड़ता है। जनवरी 2019 में हार्दिक पंड्या और केएल राहुल 'कॉफी विद करण' के छठे सीजन में पहुंचे थे। इस दौरान महिलाओं



को लेकर पंड्या की टिप्पणियों पर विवाद हुआ। पंड्या ने बाद में सोशल मीडिया पर माफी मांगते हुए कहा था कि वह शो के माहौल में बह गए थे। इसके बाद BCCI ने दोनों खिलाड़ियों को जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया और उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे से वापस बुलाया गया। अप्रैल 2019 में BCCI लोकपाल ने दोनों पर 20-20 लाख का जुर्माना लगाया। हार्दिक पंड्या और केएल राहुल वाला एपिसोड इतना विवादित हुआ कि उसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया।

ऑटो से उतरकर फैंस का अभिवादन किया, 'धर्मन' फिल्म की शूटिंग के लिए मैसूर पहुंचे

ऑटो में बैठकर शूटिंग सेट पहुंचे रजनीकांत



मुंबई। सुपरस्टार रजनीकांत अपनी अपकमिंग फिल्म 'धर्मन' की शूटिंग के लिए मैसूर पहुंचे हैं। यहां शूटिंग सेट पर वह सादगी भरे अंदाज में ऑटो-रिक्शा में बैठकर पहुंचे, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। ऑटो से उतरने के बाद रजनीकांत ने वहां मौजूद फैंस का अभिवादन किया। अश्वथ मारिमुथु के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को कमल हासन की कंपनी राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल और टरमरिक मीडिया के आर महेंद्रन मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस बीच रजनीकांत की एक और फिल्म 'जेलर 2' भी 15 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म 'धर्मन' में रजनीकांत के किरदार का पहला पोस्टर इसी साल जून में जारी किया गया था। पोस्टर में रजनीकांत अपने ट्रेडमार्क सनग्लासेस पहने और हाथ में खून से सना सर्जिकल चाकू (स्केल्पल) थामे नजर आए थे। इसके बैकग्राउंड में एक ऑपरेटिंग थिएटर दिखाया गया था। फिल्म में रजनीकांत एक डॉक्टर की भूमिका में हैं।



विद्या बालन समेत कई दिग्गज कलाकार शामिल

'जेलर 2' में पहली फिल्म के कलाकार राम्या कृष्णन और योगी बाबू अपनी भूमिकाएं दोहरा रहे हैं। वहीं इस सीक्वल में विद्या बालन, एस.जे. सूर्या, सूरज वेंजारामूडु, विजय सेतुपति और मिथुन चक्रवर्ती जैसे दिग्गज कलाकारों की नई एंट्री हुई है। इसके अलावा फिल्म में मोहनलाल, शिवा राजकुमार, जैकी श्रॉफ और ऋतिक रोशन के भी कैमियो रोल में नजर आने की खबर है।

15 अक्टूबर को रिलीज होगी 'जेलर 2'

'धर्मन' की शूटिंग के साथ ही रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' भी रिलीज की तैयारी में है। यह फिल्म 15 अक्टूबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। साल 2023 की ब्लॉकबस्टर 'जेलर' के इस सीक्वल का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार कर रहे हैं। फिल्म में रजनीकांत एक बार फिर रिटायर्ड जेलर टाइगर मुथुवेल पांडियन के किरदार में दिखाई देंगे।



'धर्मन' की शुरुआत से अब तक इसके डायरेक्शन डिपार्टमेंट में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। साल 2025 में जब इस प्रोजेक्ट का ऐलान हुआ था, तब सुंदर सी. को डायरेक्टर के तौर पर चुना गया था। हालांकि कुछ कारणों से उन्होंने प्रोजेक्ट छोड़ दिया। इसके बाद 'डॉन' फेम डायरेक्टर सिबी चक्रवर्ती ने कमान संभाली और प्री-प्रोडक्शन का काम पूरा किया।

हमलावर पायलट को पकड़कर हाइजैकिंग रोकी, खून सने कपड़ों में नेतन्याहू से मिलने पहुंचा

इजराइली यात्री ने टीवी शो देखकर प्लेन उड़ाना सीखा

मदद

तेल अवीव, एजेंसी

दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट में कॉकपिट के अंदर पायलटों के बीच झगड़ा हो गया। ओमानी पायलट ने भारतीय पायलट स्मित मच्छर पर चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद विमान तेजी से नीचे जाने लगा। इस दौरान यात्री यानिव हायून ने हमलावर को काबू करने और विमान को संभालने में मदद की। खास बात यह है कि उसे विमान उड़ाने की कोई ट्रेनिंग नहीं मिली थी। उसने एक TV शो देखकर विमान के कंट्रोल के बारे में



जानकारी हासिल की थी। इस घटना के बाद वह खून से सने कपड़ों में ही इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मिलने पहुंचा। PM ने उसके साहस की तारीफ की और उसे हीरो बताया। हायून ने विमान को कुछ देर संभाला। इसके बाद विमान में मौजूद एक रिजर्व फ्लाईदुबई क्रू ने आखिरकार विमान का कंट्रोल संभाला और उसे तबूक में सुरक्षित उतारा।

घटना की जांच जारी, मकसद अभी साफ नहीं

सऊदी अधिकारियों ने हमले के आरोपी ओमानी सह-पायलट को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के पीछे उसका मकसद क्या था, यह अभी साफ नहीं है। फ्लाईदुबई ने कहा है कि उड़ान के दौरान कॉकपिट में घटना हुई और विमान को सुरक्षित तबूक उतारा गया। कंपनी ने लोगों से जांच पूरी होने से पहले घटना के कारण और मकसद को लेकर अटकलें नहीं लगाने को कहा है। घटना के बाद इजराइल ने पायलटों की सुरक्षा जांच और कड़ी करने की बात कही है।

- घटना के बाद नेतन्याहू ने यानिव हायून से मुलाकात की। नेतन्याहू ने उन्हें हीरो बताया और उनकी बहादुरी की तारीफ की।

कॉकपिट से चीखें सुनकर यात्री आगे पहुंचे

हायून ने इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू को बताया कि उसे कॉकपिट से चीखने की आवाज सुनाई दी। वह एक दूसरे यात्री के साथ वहां पहुंचा। कॉकपिट में उसने देखा कि भारतीय कप्तान स्मित मच्छर घायल हालत में जमीन पर पड़े थे। वहीं हमलवार पायलट विमान उड़ा रहा था।



हायून ने बताया कि हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन स्मित मच्छर ने कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया था। इसके बाद बाहर मौजूद यात्री अंदर आए। हायून ने हमलावर को पकड़ा और उसे कंट्रोल पैनल से दूर खींचकर बाहर किया। इसके बाद उसने दूसरे यात्रियों को मदद के लिए बुलाया। तीन यात्रियों ने मिलकर हमलावर को काबू किया और हेडफोन की तार से उसके हाथ बांध दिए।

हमलावर को पकड़ने के बाद विमान फिर तेजी से नीचे जाने लगा

हमलावर को काबू करने के बाद हायून वापस कॉकपिट में गया। उस समय विमान तेजी से नीचे जा रहा था। विमान कुछ ही समय में करीब 16,000 फीट नीचे आ गया। इस दौरान विमान की हालत बेहद गंभीर हो गई थी।

इसके बाद हायून ने विमान के कंट्रोल पकड़ लिए और उन्हें पीछे की तरफ खींचा। इससे विमान की नोज ऊपर उठने लगी और विमान की हालत कुछ हद तक संभली। हायून ने बाद में बताया कि उसे यह बात 'एयर डिजास्टर्स' नाम के टीवी शो से पता थी।

यह शो विमान हादसों और उनसे जुड़े मामलों पर आधारित है। हायून ने कहा कि उसने शो में देखा था। कि विमान नीचे जाने लगे तो कंट्रोल को पीछे खींचना होता है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक की, 9 की मौत

इसमें बच्चे-महिलाएं भी शामिल, यह इस साल का 11वां हमला

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने गुरुवार को अफगानिस्तान के कुनार और हेलमंद प्रांत में एयरस्ट्राइक की। अफगान तालिबान सरकार के मुताबिक इन हमलों में 9 लोगों की मौत और 11 लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने इसकी जानकारी दी है। रॉयटर्स के मुताबिक उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी हमलों में दोनों प्रांतों में 3 घर तबाह हुए हैं। पाकिस्तान का अफगानिस्तान पर ये 11वां हमला था। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन हमलों में अब तक करीब 800 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। पाकिस्तान का दावा है कि गुरुवार को उसने अफगानिस्तान में दो आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इसमें कम से कम 22 लड़ाके मारे गए। हालांकि जबीहुल्लाह मुजाहिद ने इस दावे को



खारिज करते हुए कहा की पाकिस्तान ने नागरिक इलाकों पर हमले किए हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने गलत किया है। यह अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है और इसे जायज नहीं ठहराया जा सकता। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच तालिबान सरकार के मंत्री नूरुल्लाह नूरी ने पाकिस्तान को अफगानों के सब्र का इम्तिहान न लेने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अफगानिस्तान का इतिहास याद रखना चाहिए, जहां सोवियत संघ और अमेरिका जैसी बड़ी ताकतें भी युद्ध के बाद सफल नहीं हो सकीं।

फास्ट न्यूज

कैफे-3 के नए नियम, ईवी सस्ती होंगी

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में ईवी सस्ती हो सकती है। वहीं पेट्रोल-डीजल गाड़ियों में ज्यादा माइलेज मिल सकता है। केंद्र सरकार ने पैसेंजर गाड़ियों के लिए CAFE-3 नियमों की घोषणा कर दी है। ये नियम 1 अप्रैल 2027 से 31 मार्च 2032 तक लागू रहेंगे।
ऐसे में ऑटो कंपनियों को पोर्टफोलियो में ज्यादा माइलेज देने वाली पेट्रोल-डीजल कारों के साथ-साथ EV और हाइब्रिड गाड़ियों की हिस्सेदारी बढ़ाना जरूरी होगा।

चांदी 4 दिन में ₹11915 सस्ती, ₹2.21 लाख पर आई

नई दिल्ली। चांदी की कीमत में आज लगातार चौथे दिन गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, एक किलो चांदी 1165 रुपए गिरकर 2.21 लाख रुपए पर आ गई, जो मंगलवार को 2.22 लाख रुपए पर थी। चांदी पिछले 4 दिन में 11,915 रुपए गिर चुकी है। वहीं, सोने की कीमत में आज दो दिन की गिरावट के बाद 221 रुपए की तेजी रही और 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.48 लाख रुपए पहुंच गया। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 14,689 रुपए महंगा हो चुका है। वहीं, चांदी 9,985 रुपए सस्ती हुई है।

भारत-यूएई के बीच समुद्र में तेल पाइपलाइन की तैयारी

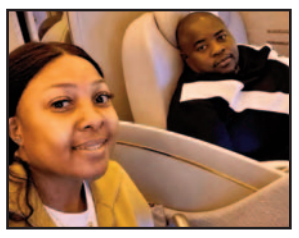
नई दिल्ली। होर्मुज संकट के बीच भारत ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए नई रणनीति पर काम कर रहा है। इसके तहत भारत और यूएई के बीच समुद्र के नीचे तेल और गैस पाइपलाइन बिछाने की तैयारी है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने यूएई के विदेश व्यापार मंत्री थानी बिन अहमद अल जेउदी से मुलाकात के बाद इसकी पुष्टि की। सरकार ने ओमान-यूएई से भारत तक समुद्र के नीचे पाइपलाइन परियोजना को प्राथमिकता में रखा है।

जिम्बाब्वे में हेलिकॉप्टर क्रैश, चर्चित बिजनेसमैन समेत 6 की हुई मौत

राष्ट्रपति के करीबी चिवायो महंगी कारों-हेलिकॉप्टरों के शौकीन थे

हरारे, एजेंसी

जिम्बाब्वे के मरोनडेरा इलाके में बुधवार शाम एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इसमें सवार सभी 6 लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद हेलिकॉप्टर में आग लग गई। मरने वालों में जिम्बाब्वे के चर्चित बिजनेसमैन विकनेल चिवायो और उनकी पत्नी लूसी मुतेके भी शामिल हैं। 43 साल के चिवायो को जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति एमर्सन मनांगाग्वा का करीबी माना जाता था। हादसे में मारे गए बाकी लोगों की पहचान सामने नहीं आई है। हादसा किस वजह से हुआ, इसकी भी जानकारी नहीं है। पुलिस और संबंधित अधिकारी इसकी जांच करेंगे। विकनेल चिवायो जिम्बाब्वे के चर्चित कारोबारी थे। वे इंट्राट्रेक जिम्बाब्वे के संस्थापक थे। कंपनी ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े प्रोजेक्ट्स में काम करती है। चिवायो कई बड़े नेताओं से मुलाकात के लिए भी चर्चा में रहे। वे दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा,



- दावा किया जा रहा है कि हेलिकॉप्टर क्रैश से पहले जिम्बाब्वे के टाइकून चिवायो और उनकी पत्नी के ये आखिरी पल थे।

केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो, तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन और इस्वातिनी के किंग मस्वाती तृतीय से मिल चुके थे चिवायो की कंपनी को जिम्बाब्वे में कई सरकारी प्रोजेक्ट मिले थे। इनमें ग्वांडा सोलर प्रोजेक्ट प्रमुख था। यह करीब 100 मेगावाट का सोलर पावर प्रोजेक्ट है।

वारदात : भारतीय पायलट ने 4 साल पहले फ्लाईदुबई जॉइन की, मोदी बोले- 9/11 जैसा हमला रोका

कॉकपिट में भिड़े, चाकू लगे, लेकिन फ्लाइट कंट्रोल नहीं छोड़ा

तेल अवीव, एजेंसी

भारतीय पायलट स्मित मच्छर ने दुबई से इजराइल जा रही फ्लाइट को क्रैश होने से बचा लिया। स्मित पर उनके साथी पायलट ने ही चाकू से हमला कर दिया था। घायल होने के बावजूद स्मित उससे लड़ते रहे और बाकी यात्रियों की मदद से काबू पाया। कैप्टन स्मित मच्छर मूल रूप से गुजरात से हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे अब दुबई में रहते हैं। उन्होंने चार साल पहले फ्लाईदुबई जॉइन किया था। पिछले साल अक्टूबर में कैप्टन स्मित ने CS जलक मेहता नाम के यूट्यूब चैनल के साथ पॉडकास्ट किया

"प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को भारतीय पायलट की तारीफ की। उन्होंने कहा, कल हुई घटना में भारत के कैप्टन स्मित ने धैर्य, सूझबूझ और साहस का परिचय दिया। जैसा इजराइल के प्रधानमंत्री ने भी आज बताया, एक भारतीय ने 9/11 जैसे हादसे को टाल दिया।



था। इस दौरान उन्होंने कहा, स्कूलिंग के बाद फैमिली बिजनेस संभालने के लिए मैंने मैनेजमेंट की पढ़ाई की।

इजराइली डेंटिस्ट ने घायल पायलट जान बचाई

विमान में सवार यात्रियों को कुछ देर के लिए लगा कि वे जिंदा नहीं बचेंगे। एक यात्री ने AFP को बताया कि, "सभी को लगा कि अब हम मरने वाले हैं।" विमान में मौजूद कुछ लोगों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। वहीं कैप्टन स्मित की मदद विमान में मौजूद एक डेंटिस्ट ने की। उन्होंने घायल पायलट का विमान में ही इलाज किया और उनकी जान बचाई।



स्पाइसजेट में 11 साल पायलट रह चुके हैं कैप्टन स्मित

फ्लाईदुबई से पहले स्मित ने 11 साल से ज्यादा समय तक स्पाइसजेट में काम किया। यहां उन्होंने 9500 घंटे से ज्यादा उड़ान भरी। इनमें 6400 घंटे से ज्यादा समय विमान के मुख्य पायलट यानी पायलट-इन-कमांड के तौर पर था। जून 2022 में उन्होंने फ्लाईदुबई जॉइन की थी। उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक, उन्हें कमर्शियल विमान उड़ाने का 13 साल से ज्यादा का अनुभव है। उन्होंने बोइंग 737 विमानों पर करीब 9750 घंटे उड़ान भरी है। इसके अलावा वे पायलटों की ट्रेनिंग, उनकी जांच और उन्हें काम के दौरान गाइड करने का काम भी करते थे।

अमेरिका-मौत के 2 इंजेक्शन देने के बाद भी महिला बची

धड़कन चल रही थी, नींद में खर्राटे लेती रही, मौत की सजा टली

टेनेसी, एजेंसी

अमेरिका में मौत की सजा पाने वाली एक महिला कैदी को बुधवार को मौत के 2 इंजेक्शन दिए गए, लेकिन इसके बाद भी उसकी जान नहीं गई। उसकी धड़कन चलती रही और वह नींद में खर्राटे ले रही थी। मामला अमेरिका के टेनेसी राज्य का है। क्रिस्टा गेल पाइक नाम की महिला 1995 में हत्या के मामले में दोषी करार की गई थी। उसे एक साल बाद मौत की सजा सुनाई गई थी। हालांकि अब उसकी सजा टाल दी गई है। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले अमेरिका में अब तक सिर्फ 7 ऐसे मामले आए थे जिनमें मौत का इंजेक्शन देने के बाद भी दोषी की जान बच गई थी। इन लोगों को नस में घातक इंजेक्शन देने में दिक्कत हुई। मेडिकल टीम



की इस गड़बड़ी के कारण उनकी मौत नहीं हो सकी। इस बार मामला अलग था। जहर शरीर में पहुंचने के बाद किसी व्यक्ति के जिंदा रहने का यह पहला मामला है। राज्य के नियमों के मुताबिक, पहले इंजेक्शन के बाद अगर कैदी की मौत नहीं होती तो दूसरा इंजेक्शन दिया जाता है। लेकिन दूसरे इंजेक्शन के बाद भी व्यक्ति जिंदा रहे तो क्या करना है, इसके बारे में नियमों में साफ जानकारी नहीं है।



कोटक बैंक के एमडी और सीईओ बने अनूप कुमार

1 जनवरी 2027 से पद संभालेंगे

मुंबई, एजेंसी

टक महिंद्रा बैंक ने गुरुवार को अनूप कुमार साहा को नया मैनेजिंग डायरेक्टर और CEO नियुक्त किया। उनका कार्यकाल 3 साल का होगा। साहा 1 जनवरी 2027 से यह पद संभालेंगे। वह अभी बैंक में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के पद पर हैं। साहा के पास 32 साल से ज्यादा का अनुभव है। इसमें 25 साल का अनुभव बैंकिंग और नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस में है। अनूप कुमार साहा को कोटक महिंद्रा बैंक का नया MD & CEO बनाने की मंजूरी के बाद बैंक के शेयरों में 4% तक की तेजी है। ये 433 के करीब पहुंच गया है। ब्रोक्रेज फर्म्स ने साहा की नियुक्ति को बैंक के लिए सकारात्मक कदम बताया है। जनवरी 2026 में कोटक बैंक से जुड़े थे अनूप कुमार साहा जनवरी



2026 में कोटक महिंद्रा बैंक से जुड़े थे। मार्च 2026 से डायरेक्टर की भूमिका में वह बैंक के पूरे रिटेल बैंक, सरकारी कारोबार, डेटा एनालिटिक्स और मार्केटिंग का काम संभाल रहे थे। मौजूदा MD और CEO अशोक वासवानी ने कहा कि अनूप फाइनेंशियल सेक्टर के एक अनुभवी लीडर हैं, जिन्हें अलग-अलग बिजनेस, ग्राहकों और कामकाज का गहरा अनुभव है। कोटक से जुड़ने के बाद से उन्होंने हमारी टीमों के साथ मिलकर काम किया है और आने वाले मौकों की अच्छी समझ दिखाई है।

लगातार 8वें हफ्ते फिसला बाजार, मंदी के करीब निफ्टी-सेंसेक्स

मुंबई। यर बाजार लगातार 8वें हफ्ते लाल निशान में बंद हुआ है। आज 1 अक्टूबर को हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स 570 अंक या 0.79% नीचे 71,910 पर बंद हुआ। निफ्टी में 198 अंक या 0.88% की गिरावट रही, ये 22,422 पर आ गया है। ऑटो और मीडिया शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली है। ये लगातार 8वां हफ्ता है जब बाजार लाल निशान में बंद हुआ है। ये पिछले 25 सालों में गिरावट का सबसे लंबा दौर है।

इससे पहले साल 2001 में बाजार में लगातार 9 हफ्तों तक गिरावट आई थी। जनवरी में अपने 26,373 के ऑल-टाइम हाई स्तर से निफ्टी अब तक करीब 15% नीचे आ चुका है।

शेयर बाजार के नियमों के मुताबिक, यदि बाजार अपने ऊपरी स्तर से 20% तक गिर जाता है, तो उसे ऑफिशियल 'बेयर मार्केट' मान लिया जाता है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96